सुविचार
जिंदगी अगर अपने हिसाब से जीनी हैं तो कभी किसी के फैन मत बनो।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

दीपीका पादुकोण ने एक बार नहीं बल्कि 6 बार...

Ranchi ● Wednesday, 26 July 2023 ● Year : 01 ● Issue : 190 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

संसेक्स	:	66,355.71
निफ्टी	:	19,680.60

SARAFA

सोना	:	5,645
चांदी	:	80.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

पलामू में BSF जवान ने चार पर तलवार से किया हमला, एक की गई जान

PLAMU : मंगलवार 25 जुलाई, 2023 पलामू चर्चा में है। पहले मामले में छतरपुर में सौतेली मां ने अपने 12 साल के बेटे की हत्या कर दी, वहीं दूसरे मामले में पढ़वा थाना क्षेत्र के गोल्हाना गांव में एक बीएसएफ जवान ने जमीन विवाद को लेकर अपने गोतिया पर तलवार से हमला कर दिया। इस हमले में पीडीएस डीलर सत्यदेव तिवारी की मौत हो गयी। वहीं, पीडीएस डीलर की पत्नी समेत तीन अन्य घायल हो गये। सभी घायलों को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। वहीं, पुलिस ने आरोपी बीएसएफ जवान को गिरफ्तार किया है।

सीमेंट फैक्ट्री में हादसा पांच मजदूरों की मौत

TELANGANA : तेलंगाना के सूयार्पेट में बनी एक सीमेंट फैक्ट्री में लिफ्ट गिरने से वहां काम कर रहे 5 मजदूरों की मौत हो गई। लिफ्ट चौथी मंजिल से गिरी। हादसे में कई लोग घायल भी हो गए। सूयार्पेट के मेलाचेरुवु गांव में माय होम सीमेंट फैक्ट्री बनी है। वहां नई कंस्ट्रक्शन यूनिट में काम चल रहा था, तभी ये घटना हुई। लोकल रिपोर्ट्स के मुताबिक मलबे में अभी कई और मजदूरों के फंसे होने की आशंका है। घायलों में कई लोग यूपी और बिहार के हैं। घायलों को निकालने के लिए लिफ्ट के मलबे को गैस कटर की मदद से काटा गया। फैक्ट्री प्रशासन ने घायल मजदूरों की संख्या पर चुप्पी साध रखी है। घायलों को नजदीकी हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक माय होम सीमेंट फैक्ट्री की यूनिट-4 में नया कंस्ट्रक्शन हो रहा था। वहां 5 मंजिल बन चुकी थी।

लश्कर-ए-तैयबा के दो मददगार गिरफ्तार

JAMMU : जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले के क्रेरी इलाके में पुलिस ने मंगलवार को प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि चक टपर क्रेरी गांव में आतंकियों की आवाजाही के संबंध में एक विशेष सूचना पर बारामूला पुलिस और सेना की 29 आरआर के जवानों ने नाका लगाया। चक टपर से मेन रोड क्रेरी की ओर आ रहे दो संदिग्ध व्यक्तियों ने संयुक्त नाका पार्टी को देखकर भागने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षाबलों ने उन्हें पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से 2 चीनी पिस्तौल, 2 पिस्तौल मैगजीन, 14 जीवित पिस्तौल राउंड, 1 आईडी कार्ड और आधार कार्ड की 1 जेरॉक्स कॉपी बरामद की गई।

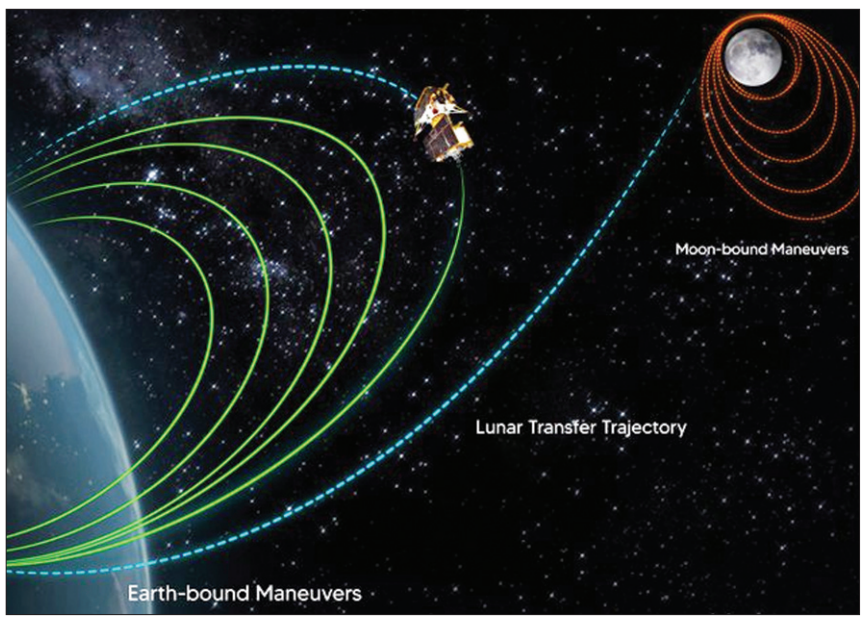

चंद्रयान-3 पहुंचा चंद्रमा के नजदीक

NEW DELHI : चंद्रयान-3 मंगलवार को चंद्रमा की ओर एक कदम और आगे बढ़ गया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने मंगलवार को एक बार फिर कक्षा बदलने की प्रक्रिया (अर्थबाउंड-फायरिंग-2) सफलतापूर्वक पूरा कर चंद्रयान-3 को पृथ्वी की पांचवीं कक्षा और आखिरी कक्षा में भेज दिया है। इसरो अब एक अगस्त को मध्यरात्रि 12-01 बजे के बीच चंद्रयान-3 को चंद्रमा की कक्षा में भेजेगा।

संजीव सिंह ने कोर्ट से मांगी इच्छा मृत्यु

हत्याकांड में जेल में बंद झरिया के पूर्व विधायक कई गंभीर बीमारियों से ग्रस्त

PHOTON NEWS DHANBAD : झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह ने कोर्ट में पीटीशन दायर कर इच्छा मृत्यु मांगी है। अदालत में दायर याचिका में संजीव सिंह ने लिखा कि इलाज के लिए नहीं भेज सकते तो मुझे इच्छा मृत्यु की इजाजत दे दें। संजीव सिंह की ओर से अदालत में दिए गए याचिका की पुष्टि उनके अधिवक्ता मोहम्मद जावेद ने की है। अधिवक्ता ने बताया कि संजीव सिंह की ओर से यह याचिका धनबाद जिला एवं सत्र न्यायाधीश 16 की कोर्ट में मंगलावार को दायर की गई है।

दरअसल, झारिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह अप्रैल 2017 से धनबाद जेल में बंद हैं। 11 जुलाई 2023 को उनकी

पूर्व विधायक संजीव सिंह की फाइल फोटो व कोर्ट में दायर याचिका की तस्वीर।

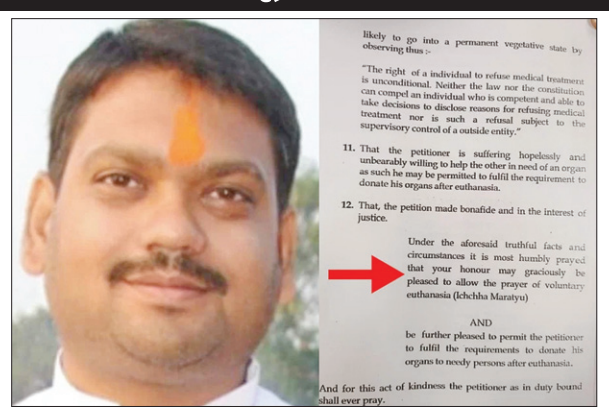

तबीयत बिगड़ गई थी और उन्हें धनबाद मंडल कारा से एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया था। एसएनएमएमसीएच के सीसीयू में भर्ती संजीव सिंह की हालत स्थिर बनी हुई थी। अदालत ने उनके इलाज के लिए गठित मेडिकल बोर्ड ने जांच के बाद उन्हें रिम्स भेजने की सलाह दी है। मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के आलोक में कोर्ट ने उन्हें रिम्स भेजने का निर्देश दिया है। धनबाद कोर्ट के आदेश पर पुलिस संजीव को लेने अस्पताल पहुंची, परंतु संजीव ने रांची रिम्स जाने से इनकार कर दिया। संजीव सिंह की पत्नी रागिनी सिंह और उनके समर्थक नहीं चाहते कि उन्हें रिम्स लाया जाए। वे लगातार इसका विरोध कर रहे हैं। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह की पत्नी रागिनी सिंह पहले भी कह चुकी हैं कि उनके पति का उपचार धनबाद के किसी बड़े निजी अस्पताल में कराया जाये। सारा खर्च उनका परिवार वहन करेगा। उन्होंने आशंका जतायी कि रिम्स में उनके पति का सही इलाज नहीं होगा। सरकार के दबाव में उनके पति का समुचित इलाज नहीं हो रहा है।

राज्य के पांच पूर्व मंत्रियों पर पीई दर्ज करने का कैबिनेट में फैसला

रघुवर राज में रहे कई मंत्री आय से अधिक संपत्ति मामले में फंसे, एसीबी दर्ज करेगा केस

इनके खिलाफ दर्ज होगी पीई

अमर कुमार बाउरी

रणधीर कुमार सिंह

नीरा यादव

डॉ. लुइस मरांडी

नीलकंठ सिंह मुंडा

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड कैबिनेट की मंगलवार को हुई बैठक में 29 प्रस्ताव स्वीकृत किये गये। राज्य में पूर्ववर्ती रघुवर दास के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में मंत्री रहे अमर कुमार बाउरी, रणधीर कुमार सिंह, नीरा यादव, डॉ. लुइस मरांडी व नीलकंठ सिंह मुंडा पर आय से अधिक संपत्ति के मामले में प्रारंभिक जांच दर्ज करने का आदेश दिया गया। बता दें कि डालटनगंज निवासी पंकज कुमार यादव ने पूर्व सरकार के इन मंत्रियों के खिलाफ झारखंड हाईकोर्ट ने 2020 में पीआईएल दायर किया था और आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की जांच का अनुरोध किया था। पूर्व की सरकार के इन मंत्रियों के विरूद्ध धनार्जन से संबंधित जांच एसीबी द्वारा किया गया। एसीबी ने राज्य सरकार से पूर्व मंत्रियों के विरूद्ध पीई दर्ज करने की अनुमति मांगी थी जिसके आलोक में मंत्रिपरिषद ने यह फैसला लिया है।

5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा

राज्य के सरकारी सेवा में कार्यरत और सेवानिवृत्त कर्मियों को 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिया जायेगा। इन कर्मियों को मिलने वाले मेडिकल भत्ता के रूप में दिए जाने वाले 1000 रूपए को सरकार ने अब 500 रुपये कर दिया है। नए प्रावधानों के तहत अब सरकारी कर्मियों को मेडिकल भत्ता के शेष 500 रूपए को सालाना 6 हजार के रूप में सरकार बीमा कंपनियों को प्रीमियम के रूप में देगी। इसके अलावा यदि इलाज का खर्च 5 लाख से अधिक होता है, तो फिर कॉरपस फंड से यह राशि प्रदान की जायेगी। इसका लाभ सभी सरकारी व सेवानिवृत कर्मियों के अलावा विधानसभा सदस्यों के लिए कार्यरत कर्मियों, विश्वविद्यालय में कार्यरत व सेवानिवृत्त कर्मियों को भी इसका लाभ मिलेगा।

पुरानी पेंशन का लाभ लेने की प्रक्रिया से संबंधित दिशा-निर्देश की स्वीकृति

दूसरी ओर, झारखंड कैबिनेट के अन्य फैसले में पुरानी पेंशन योजना का लाभ लेने की प्रक्रिया संबंधी प्रस्ताव की स्वीकृति मिलने पर झारखंड ऑफिसर्स टीचर्स एम्प्लाइज फेडरेशन ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का स्वागत करते हुए आभार जताया। झारखंड मंत्रालय परिसर में फेडरेशन के सदस्यों ने सीएम को जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी कर्मियों को पूरे मान-सम्मान के साथ बेहतर माहौल में काम करने का मौका मिले, इसके लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस दिशा में उनकी जायज मांगों को पूरा करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहे हैं, ताकि वे पूरी उर्जा के साथ अपनी जिम्मेदारियों को निभाते हुए राज्य के विकास को गति दे सकें।

राज्य में खुलेगी मेडिकल साइंस UNIVERSITY

परीक्षा में नकल करने पर 10 वर्ष तक की सजा

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड कैबिनेट ने झारखंड मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय की मंजूरी दी। इसी विश्वविद्यालय के अंतर्गत सारे मेडिकल कॉलेज कार्य करेंगे। वर्तमान में विभिन्न विश्वविद्यालयों के अधीन मेडिकल कॉलेज चलते थे जिसे अलग कर मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय के अधीन कर दिया जायेगा। कैबिनेट ने झारखंड प्रतियोगिता परीक्षा भर्ती निवारण एक्ट 2023 की स्वीकृति दी। इस एक्ट के तहत परीक्षाओं में अनियमितता बरतने, प्रश्न पत्र लीक करने, चोरी कराने में सहायक बनने पर 10 वर्ष की सजा और एक करोड़ तक जुमार्ना का प्रावधान किया गया है। कैबिनेट ने संगठित अपराध को भी आतंकवादी निरोधी दस्ता के द्वारा जांच कराने का फैसला लिया है। रांची में मोटर वाहन दुर्घटना विवादों की सुनवाई के लिए जिला न्यायाधीश का पद स्वीकृत हुआ है। वित्त विभाग के अंतर्गत 29 कर्मियों की सेवा नियमित की गयी है। ये मुख्यालय सहित विभिन्न ट्रेजरी में कार्यरत हैं। स्कूल कॉलेज की लाइब्रेरी में शिबू सोरेन पर लिखी गयी तीन किताबों को विद्यार्थियों के लिए पढ़ने के लिए रखा जायेगा। इनमें पहली किताब 'सुनो बच्चों आदिवासी नायक शिबू सोरेन की गाथा' प्राथमिक विद्यालय में रखी जायेगी। वहीं ट्राईबल हीरो शिबू सोरेन और दिसुम गुरु शिबू सोरेन मध्य और हाई स्कूल की लाइब्रेरी में बच्चों के पढ़ने के लिए रखी जायेगी।

कैबिनेट के अन्य फैसले

- झारखंड निर्यात नीति-2023 की स्वीकृति
- झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के निदेशक मंडल में मनोनीत निदेशक के प्रावधान करने की स्वीकृति
- झारखंड बाल विकास सेवा अराजपत्रित कर्मचारी भर्ती तथा सेवा शर्त (संशोधन) नियमावली-2023 की स्वीकृति
- संविदा के आधार पर नियुक्त एवं कार्यरत कर्मियों को मातृत्व अवकाश की सुविधा अनुमान्य करने की स्वीकृति
- राज्य कर्मियों/सेवानिवृत्त कर्मियों को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ प्रदान करने की स्वीकृति

अवॉर्ड वापसी के चलन पर लगाम लगाने की तैयारी

संसदीय समिति ने शपथ पत्र लेने को कहा

AGENCY NEW DELHI : देश में पिछले कुछ साल से अवॉर्ड वापसी का चलन काफी तेज हुआ है। इस पर लगाम लगाने के लिए पार्लियामेंट्री कमेटी ने अंडरटेकिंग फॉर्म भरवाने की सिफारिश की है। कमेटी का कहना है कि अवॉर्ड पाने वाले विजेताओं से पहले ही फॉर्म पर सिग्नेचर करवा लिए जाएं कि वे भविष्य में अपना अवॉर्ड नहीं लौटाएंगे। कमेटी ने अवॉर्ड वापसी के मुद्दे को देश का अपमान बताया है। उसने कहा कि इससे पुरस्कारों की साख पर असर पड़ रहा है। इस कमेटी में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 मेंबर शामिल हैं। संस्कृति मंत्रालय से जुड़ी संसद की इस स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष राज्यसभा सांसद व वाईएसआर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी विजयसाय रेड्डी हैं। पार्लियामेंट्री कमेटी ने साल 2015 में कर्नाटक के प्रख्यात लेखक कलबुर्गी के मर्डर के बाद अवॉर्ड वापसी मामले का भी जिक्र किया। उसने कहा कि भारत लोकतांत्रिक देश है। हमारा संविधान हर नागरिक को भाषण और अभिव्यक्ति की आजादी देता है।

मणिपुर में 83 दिनों बाद इंटरनेट हुआ बहाल

IMPHAL : मणिपुर में 3 मई से जारी हिंसा के बीच 83 दिन बाद इंटरनेट सेवाएं आंशिक रूप से शुरू करने का आदेश जारी किया गया है। यानी राज्य में ब्रॉडबैंड सेवाएं कुछ शर्तों के साथ शुरू की जाएंगी। इसके पहले राज्य पुलिस ने कहा कि वह उन लोगों को गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है, जिन्होंने महिला की हत्या का वीडियो मणिपुर का बताकर वायरल किया। पुलिस ने कहा-24 जुलाई को केस दर्ज किया है। वीडियो में बताया गया है कि हथियारबंद लोगों ने मणिपुर में महिला की हत्या की, जबकि यह घटना म्यांमार में हुई थी। वीडियो फैलाने का मकसद राज्य की शांति भंग करना और दंगे भड़काना था। उधर, मणिपुर पुलिस ने दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने के केस में सातवें आरोपी को गिरफ्तार किया है।

ऐसा दिशाहीन विपक्ष आज तक नहीं देखा : PM

मोदी ने 'इंडिया' की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी व इंडियन मुजाहिदीन से की

AGENCY NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' को देश का अब तक का सबसे दिशाहीन और हताश गठबंधन करार दिया। उन्होंने इंडिया अलायंस की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी और इंडियन मुजाहिदीन जैसे संगठनों से करते हुए कहा कि केवल देश के नाम के इस्तेमाल से लोगों को गुमराह नहीं किया जा सकता है।

संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि विपक्ष हताश और दिशाहीन है। विपक्ष के

पास कोई विजन नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि विपक्ष के व्यवहार पर टिप्पणी करते हुए प्रधानमंत्री ने बैठक में कहा, विपक्ष के आचरण से पता चलता है कि उसने लंबे समय तक स्थायी रूप से विपक्ष में रहने का फैसला किया है। बैठक में प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा और कहा कि हमारी सरकार देश का विकास कर रह है। सरकार मणिपुर मामले पर चर्चा के लिए तैयार है लेकिन फिर भी विपक्ष संसद के सदनों को चलने नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है।

मणिपुर मुद्दे पर जवाब दें प्रधानमंत्री : विपक्ष

कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी दलों का संगठन (इंडिया) ने मांग की है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संसद में आकर मणिपुर मुद्दे पर विस्तृत जानकारी दें। कांग्रेस का कहना है कि विपक्षी दलों के संगठन (इंडिया) की संयुक्त मांग है कि प्रधानमंत्री मोदी इस विषय को लेकर संसद को संबोधित करें और मणिपुर के हालात से देश को अवगत कराएं। कांग्रेस ने कहा कि इस विषय को लेकर मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में संसद भवन परिसर में बैठक हुई है। जहां यह निर्णय लिया गया है।

राजस्थान की दो बच्चों की मां ने पेशावर जाकर कोर्ट में की दूसरी शादी, कबूल किया इस्लाम

पाक जाकर अंजू बनी फातिमा, FB फ्रेंड से किया निकाह

AGENCY NEW DELHI : अलवर से पाकिस्तान अपने बॉय फ्रेंड के पास पहुंची अंजू ने इस्लाम कबूल कर शादी कर ली है। इस्लाम धर्म अपनाने के बाद उसने अपना नया नाम फातिमा रख लिया है। एजेंसी ने यह दावा किया है। दोनों ने पेशावर के लोकल कोर्ट में शादी की है। 34 साल की अंजू फिलहाल पाकिस्तान में अपने 29 साल के बॉयफ्रेंड नसरुल्लाह के साथ रह रही है। 2019 में फेसबुक पर दोनों के बीच दोस्ती हुई थी। अंजू की यह दूसरी शादी है, वह दो बच्चों की मां भी है। मोहर्रर सिटी पुलिस स्टेशन के एक सीनियर अधिकारी के हवाले से पीटीआई ने दावा किया है कि अंजू और नसरुल्लाह का निकाह हो गया है, वे दोनों डीर बाला की जिला कोर्ट में पहुंचे थे, उनके साथ कुछ पुलिस अफसर, वकील और नसरुल्लाह के परिवार के सदस्य भी थे। पीटीआई ने मालाकंड डिवीजन के डीआईजी नासिर महमूद सत्ती के हवाले से कहा कि दोनों का निकाह हो चुका है। उन्होंने बताया कि शादी के बाद अंजू को पुलिस सुरक्षा में एक घर में शिफ्ट किया गया है। प्रेम में पाकिस्तान पहुंची अंजू के पति अरविंद ने बताया कि उनका परिवार मूल रूप से बलिया का रहने वाला है।

अंजू और नसरुल्ला।

पाकिस्तान जाने के लिए अंजू ने बोले सात झूठ

पिछले दिनों पाकिस्तान से भारत आई सीमा हैदर के बाद अब भारत से पाकिस्तान गई अंजू की लव स्टोरी चर्चा में है। सीमा हैदर अपने प्रेमी सचिन से मिलने नोएडा आ गई, तो अंजू अपने कथित प्रेमी नसरुल्लाह से मिलने राजस्थान के अलवर से पाकिस्तान पहुंच गई। इस समय वह पाकिस्तान के दीर बाला में नसरुल्लाह के घर में रह रही है। सीमा हैदर ने भारत पहुंचने की जो कहानी सुनाई है, पुलिस अब तक उसकी परतें नहीं खोल पाई है। सीमा और अंजू की कहानियों में जो सबसे बड़ी समानता है, वो है परत दर परत झूठ।

हंगामे के बीच जैविक विविधता विधेयक 2022 लोकसभा से पारित

NEW DELHI : मणिपुर में हिंसा पर विपक्षी दलों के सांसदों के हंगामे के बीच, मंगलवार को जैविक विविधता (संशोधन) विधेयक, 2022 लोकसभा से पारित हो गया। इस विधेयक से जैविक घटकों के सतत उपयोग और कमजोर समुदायों के साथ लाभों के उचित एवं न्यायसंगत बंटवारा सुनिश्चित किया जा सकेगा। सदन द्वारा विधेयक पारित होने से पहले लोकसभा में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि इस समय दुनिया तीन तरफ से जलवायु संकट का सामना कर रही है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पूरा किया एक वर्ष का कार्यकाल

AGENCY NEW DELHI : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को अपने कार्यकाल का एक वर्ष पूरा कर लिया। इस मौके पर उन्होंने राष्ट्रपति भवन में जनजातीय दर्पण गैलरी और क्रिकेट पवेलियन सहित विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन किया। इसके अलावा राष्ट्रपति पद के एक वर्ष पर ई-बुक भी लॉन्च की। राष्ट्रपति मुर्मू ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि प्रौद्योगिकी के माध्यम से राष्ट्रपति भवन पिछले एक साल में अधिक से अधिक लोगों से जुड़ने में सक्षम हुआ है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रपति भवन के अधिकारी प्रौद्योगिकी और नवाचार का उपयोग करके प्रणाली को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए काम करना जारी रखेंगे।

BRIEF NEWS

चार्जशीटेड को थानेदार बनाने की क्या मजबूरी है : बाबूलाल मरांडी

RANCHI: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को राज्य सरकार को कटघरे में खड़ा किया। मरांडी ने कहा कि जब माझी ही नाव को डुबाने लगे तो फिर कौन बचाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में आज रक्षक ही भक्षक बन गए हैं। रांची के एसएसपी सड़क पर घूम रहे और अपराधी थाना संभाल रहे। मरांडी ने कहा कि आदिवासियों से घूस लेते रंगे हाथों पकड़े गए चार्जशीटेड और जमानत पर जेल से छूटी मीरा सिंह को थानेदार बनाने की आखिर रांची एसएसपी को कौन सी मजबूरी है। उन्होंने कहा कि पत्रकार पर 14 सनहा के बाद एफआईआर करने वाली तुपुदाना की घूसखोर थानेदार मीरा सिंह की करतूत फिर सामने आई है। जेल भेजे गए प्रदीप साहू ने पत्र लिखकर बताया है कि कैसे उनके पत्रकार भाई को संजय साहू को फंसाया गया है।

यूपीए के शासनकाल में राजभवन कांग्रेस का एक्सटेंशन सेंटर हुआ करता था : प्रतुल शाहदेव

RANCHI: भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने झामुमो के द्वारा राज्यपाल पर लगाए गए आरोपों पर मंगलवार को पलटवार करते हुए कहा कि राजभवन एनडीए के कार्यकाल में स्वतंत्र रूप से कार्य करता है। प्रतुल ने कहा कि झामुमो के नेताओं को यूपीए का कार्यकाल याद आ रहा है जब राजभवन कांग्रेस कार्यालय का एक्सटेंशन ऑफिस हुआ करता था। प्रतुल ने कहा कि बंगलादेशी घुसपैठियों के जरिए पूरे संथाल परगना क्षेत्र की डेमोग्राफी बदल गई है। सिर्फ पाकुड़ जिले में अंतिम दो सर्वे की तुलना करने पर मुसलमानों की जनसंख्या में अप्रत्याशित रूप से 42 प्रतिशत वृद्धि दिखती है। इन बांग्लादेशी घुसपैठियों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है और सीमा पार करने के बाद इनको तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले दलों के द्वारा वोटर कार्ड उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद को आदिवासियों का हिमायती बताते हैं लेकिन इन्हीं बंगलादेशी घुसपैठियों के द्वारा सबसे ज्यादा आदिवासी बेटियों को प्रेम जाल में फंसा कर विवाह कर स्थानीय निकाय और पंचायतों पर कब्जा जमाया जा रहा है।

पूर्व विधायक ने शिलापट पर पूर्व सांसद का नाम अंकित करने पर जताई नाराजगी

PALAMU: छतरपुर-पाटन के पूर्व विधायक राधाकृष्ण किशोर ने छतरपुर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास योजनाओं के शिलापट में लोकसभा के बर्खास्त पूर्व सांसद मनोज कुमार का भी नाम अंकित करने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। मेदिनीनगर स्थित अपने आवास पर मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए किशोर ने कहा कि संसदीय लोकतंत्र नियम कानून के अतिरिक्त लोक-लाज से भी चलता है। व्यवस्था में यदि लोक-लाज समाप्त हो जाए तो इससे संसदीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव कमजोर हो जाएगी। किशोर ने कहा कि ऐसे ही कुछ छतरपुर विधानसभा क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। छतरपुर के ग्राम सुंगरी में पुलिया निर्माण का शिलान्यास पट पर लोकसभा से बर्खास्त सांसद मनोज कुमार का भी नाम अंकित है।

कपिल सिब्बल की दलील, जेवीएम से आए हैं बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष के लिए दूसरा नाम दे भाजपा

झारखंड विधानसभा की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने की पैरवी

SPECIAL REPORTER RANCHI : विभिन्न संवैधानिक संस्थाओं में अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति सहित नेता प्रतिपक्ष मामले को लेकर दाखिल विभिन्न याचिकाओं की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में मंगलवार को हुई। मामले में झारखंड विधानसभा की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पैरवी की। उनकी ओर से कोर्ट को कहा गया कि नेता प्रतिपक्ष के लिए बीजेपी ने नाम नहीं दिया है। इस पर भाजपा की ओर से कहा गया पहले ही नेता प्रतिपक्ष के नेता के लिए बाबूलाल मरांडी का नाम दिया जा चुका है। इस पर कपिल सिब्बल की ओर से कहा गया की बाबूलाल मरांडी जेवीएम पार्टी से जीत कर आए थे, भाजपा के साथ उनके मर्जर के मामले में अभी तक विधानसभा स्पीकर का कोई निर्णय नहीं आया है। नेता प्रतिपक्ष के लिए ऐसे व्यक्ति का नाम दिया जाना चाहिए जो बीजेपी की सिंबल से लड़ा हो और जीता हो। विधानसभा के बिजनेस में हाई कोर्ट इंटरफेयर नहीं कर सकता। सुभाष देसाई बनाम स्पीकर महाराष्ट्र का जिक्र करते हुए भाजपा की ओर से कहा गया की राजनीतिक पार्टी का एकाधिकार है कि वह किसे विधायक दल का नेता बनाती है। राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कहा गया चीफ इंफॉर्मेशन कमिश्नर और लोकायुक्त की नियुक्ति के लिए शीघ्र बैठक होगी। विधानसभा की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल एवं हाईकोर्ट के अधिवक्ता अनिल कुमार ने पैरवी की। भाजपा की ओर से कुमार हर्ष ने पैरवी की। वही राजकुमार की ओर से अभय मिश्रा एवं वरीय अधिवक्ता बीपी सिंह ने पैरवी की। मामले की सुनवाई 30 अगस्त को होगी। इससे पहले विधानसभा सचिव ने हाई कोर्ट द्वारा उठाए गए दो बिंदुओं पर झारखंड हाई कोर्ट में शपथ पत्र दायर किया गया। जिसमें कहा गया है हाई कोर्ट अपने क्षेत्राधिकार के तहत विधानसभा अध्यक्ष को निर्देश नहीं दे सकता है। हाई कोर्ट हाउस के बिजनेस में एंट्री नहीं कर सकता है। संविधान के आर्टिकल 212 के तहत हाई कोर्ट विधानसभा की कार्यवाही में किसी तरह का हस्तक्षेप नहीं कर सकता है। विधानसभा स्पीकर को निर्देश देने का उसे पावर नहीं है। विधानसभा सचिव की ओर से शपथ पत्र में कहा गया है कि जब बाबूलाल मरांडी के खिलाफ दल बदल का मामला चल रहा है और विधानसभा अध्यक्ष ने इस संबंध में आदेश पारित नहीं किया हैं तब तक हाईकोर्ट विधानसभा अध्यक्ष के आदेश पर किसी तरह का हस्तक्षेप नहीं कर सकता है और उन्हें कोई निर्देश नहीं दे सकता है। संविधान के आर्टिकल 212 के तहत विधानसभा के कार्रवाई में हाई कोर्ट किसी तरह हस्तक्षेप नहीं कर सकता है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने पूछा था कि संविधान के आर्टिकल 226 के तहत हाई कोर्ट के पास क्या पावर है कि वह झारखंड विधानसभा अध्यक्ष को विपक्ष के नेता बनाने का निर्देश दे सकता है। इसके जवाब में विधानसभा अध्यक्ष की ओर से कहा गया है संविधान के आर्टिकल 212 के तहत हाई कोर्ट को पावर नहीं है वह विधानसभा की कार्यवाही में किसी तरह का हस्तक्षेप करें। दरअसल, पिछली सुनवाई में हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में नेता प्रतिपक्ष के मामले सहित कई अन्य याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दो बिंदुओं पर विधानसभा सचिव से जवाब मांगा था, जवाब नहीं देने पर उन्हें कोर्ट में उन्हें सशरीर उपस्थित होने को कहा था। जिन दो बिंदुओं पर हाईकोर्ट ने विधानसभा सचिव से जवाब मांगा था। उसमें से एक बिंदु में कहा गया है कि यदि कोई राजनीतिक दल अगर विपक्ष के नेता के लिए किसी का नाम देती है तो विधानसभा स्पीकर क्या सिर्फ इस आधार पर इस मामले को लंबित रख सकते हैं कि उनके खिलाफ दलबदल का केस चल रहा है। दूसरे बिंदु में कोर्ट ने कहा है कि क्या हाई कोर्ट को पावर है कि वह विधानसभा अध्यक्ष को विपक्ष के नेता बनाने के लिए निर्देश दे सकता है।

नेता प्रतिपक्ष मामला: हाईकोर्ट विधानसभा अध्यक्ष को निर्देश नहीं दे सकता- विधानसभा सचिव

विधानसभा सचिव ने हाई कोर्ट द्वारा उठाए गए दो बिंदुओं पर शपथ पत्र दायर किया है। जिसमें कहा गया है हाई कोर्ट अपने क्षेत्राधिकार के तहत विधानसभा अध्यक्ष को निर्देश नहीं दे सकता है। हाई कोर्ट हाउस के बिजनेस में एंट्री नहीं कर सकता है। संविधान के आर्टिकल 212 के तहत हाई कोर्ट विधानसभा की कार्यवाही में किसी तरह का हस्तक्षेप नहीं कर सकता है। विधानसभा स्पीकर को निर्देश देने का पावर हाईकोर्ट को नहीं है। विधानसभा सचिव की ओर से शपथ पत्र में कहा गया है कि जब बाबूलाल मरांडी के खिलाफ दल बदल का मामला चल रहा है और विधानसभा अध्यक्ष ने इस संबंध में आदेश पारित नहीं किया हैं तब तक हाईकोर्ट विधानसभा अध्यक्ष के आदेश पर किसी तरह का हस्तक्षेप नहीं कर सकता है और उन्हें कोई निर्देश नहीं दे सकता है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने पूछा था कि संविधान के आर्टिकल 226 के तहत हाई कोर्ट के पास क्या पावर है कि वह झारखंड विधानसभा अध्यक्ष को विपक्ष के नेता बनाने के लिए निर्देश दे सकता है।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को दिया अंतिम मौका : नवयुग कंपनी लिमिटेड के साथ क्यू कंपलेक्स के निर्माण के लिए एक सप्ताह में लें निर्णय

RANCHI : देवघर में बाबा बैजनाथ मंदिर के निकट क्यू कंपलेक्स के फेज- दो का निर्माण को जल्द कराने को लेकर सांसद निशिकांत दुबे की जनहित याचिका की सुनवाई मंगलवार को झारखंड हाईकोर्ट में हुई। कोर्ट ने राज्य सरकार को दिया अंतिम मौका देते हुए कहा है कि नवयुग कंपनी लिमिटेड के साथ क्यू कंपलेक्स के निर्माण के संदर्भ में 1 सप्ताह में निर्णय ले। कोर्ट ने मामले की सुनवाई 18 अगस्त निर्धारित की है। मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई। प्रार्थी की ओर से शिवानी जालूका ने पैरवी की। वहीं राज्य सरकार की ओर से पीयूष चित्रेश ने पैरवी की। दरअसल, नवयुग कंपनी लिमिटेड के द्वारा सीएसआर के तहत देवघर में क्यू कंपलेक्स के द्वितीय फेज के निर्माण के लिए 120 करोड़ देने के आग्रह सरकार से किया है। यह मामला अभी सरकार के पास लंबित है। बता दें कि सांसद निशिकांत दुबे द्वारा दाखिल जनहित याचिका में कहा गया है कि बाबा बैजनाथ मंदिर, देवघर के लिए क्यू कंपलेक्स के दूसरे फेज का निर्माण कार्य चल रहा है। इसमें केंद्र सरकार की ओर से अपने अंशदान के रूप में 25 करोड़ रुपए की राशि दे दी गई है। लेकिन राज्य सरकार की ओर से भी अपने हिस्से का फंड उपलब्ध नहीं कराया गया है। नवयुग कंपनी लिमिटेड ने सीएसआर स्कीम के तहत क्यू कंपलेक्स के द्वितीय फेज के निर्माण के लिए अपने स्तर से 120 करोड़ देने को लेकर सरकार को पत्र लिखा है। नवयुग कंपनी के इस पत्र राज्य सरकार ने निर्णय नहीं लिया है। याचिका में यह भी कहा गया है कि देवघर में बाबा मंदिर के निकट क्यू कंपलेक्स का निर्माण 3 फेज में किया जा रहा है। वर्ष 2011 में इसकी स्वीकृति दी गई थी। क्यू कंपलेक्स के पहले फेज का निर्माण पूरा हो चुका है। अब द्वितीय फेज का निर्माण कार्य पूरा होना है। देवघर बाबा मंदिर में दर्शन करने हर साल लाखों श्रद्धालु आते हैं। क्यू कंपलेक्स बनने से श्रद्धालुओं को काफी राहत होगी। जन भावना को देखते हुए इसका निर्माण कार्य जल्द किया जाना चाहिए।

हाईकोर्ट से विधायक सरयू राय के खिलाफ दायर पीआईएल निष्पादित

RANCHI : पूर्वी जमशेदपुर से विधायक और पूर्ववर्ती सरकार में मंत्री रहे सरयू राय के खिलाफ विनय कुमार सिंह द्वारा दाखिल जनहित याचिका पर मंगलवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने प्रार्थी को उचित फोरम में बात रखने की छूट देते हुए याचिका निष्पादित कर दी। इस मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस की बेंच में हुई। राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने पक्ष रखा। मंत्री रहते भ्रष्टाचार करने और कल-कारखाना संचालकों को ब्लैकमेल करने का आरोप विनय सिंह ने विधायक सरयू राय पर मंत्री रहते छोटे-छोटे रूप में भ्रष्टाचार करने और खाद्य आपूर्ति विभाग के मंत्री रहते हुए अपने एनजीओ युगांतर भारती समेत अन्य माध्यम से कल-कारखाना संचालकों को ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया था। इस मामले में एसीबी से भी शिकायत की गयी थी। प्रार्थी का कहना है कि मामले में कार्रवाई नहीं हुई, इसलिए उन्होंने झारखंड हाईकोर्ट का रुख करते हुए जनहित याचिका दाखिल की।

मणिपुर की घटना के विरोध में झामुमो और आदिवासी संगठनों ने निकाला विरोध मार्च

PHOTON NEWS KHUNTI: मणिपुर में कुकी आदिवासी महिलाओं के साथ हुई अमानवीय घटना के विरोध में झामुमो सहित विभिन्न आदिवासी संगठनों ने मंगलवार को तोरपा में विरोध मार्च निकाला। विरोध मार्च का नेतृत्व झामुमो के जिलाध्यक्ष और जिला बीस सूत्री के उपाध्यक्ष जुबैर अहमद ने किया।

विरोध प्रदर्शन करते आदिवासी संगठन के लोग • फोटोन न्यूज

इस दौरान मणिपुर की राज्य सकरार और केंद्र सरकार से अपील की गई कि मणिपुर में हिंसा रोकने और शांति बहाल करने के लिए शीघ्र कदम उठाए। मणिपुर में हिंसा रोकने शांति और अमन-चैन स्थापित करने और मणिपुर सरकार को बर्खास्त करने की मांग को लेकर तोरपा के हिल चौक से मेन रोड होते हुए कोटेंगसेरा पेट्रोल पंप तक विरोध मार्च निकाला गया। इसमें झामुमो के अलावा कई आदिवासी संगठनों और मिशनरी स्कूलों के शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल थे। विरोध मार्च में शामिल लोग मणिपुर के मुख्यमंत्री को बर्खास्त करो, यूसीसी कानून नहीं चलेगा, नारी के सम्मान में आदिवासी समाज मैदान में, आदिवासी विरोधी मानसिकता मुदार्बाद, आदिवासी धार्मिक सामाजिक भूमि का अतिक्रमण बंद करो, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मुदार्बाद, मणिपुर मुख्यमंत्री मुदार्बाद, नरेंद्र मोदी मुदार्बाद आदि नारे लगा रहे थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए झामुमो के जिलाध्यख जुबैर अहमद ने कहा कि मणिपुर की घटना पूरे देश में आदिवासी महिलाओं के प्रति सरकार के भेदभाव को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नारा देते हैं बेटी बढ़ाओ बेटी बचाओ और वहीं आदिवासी महिलाओं के साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता है। उन्होंने कहा कि अमणिपुर की घटना ने साबित कर दिया कि केंद्र सरकार आदिवासियों के प्रति संवदेनशील नहीं है और वह दोहरा चरित्र निभा रही है। उन्होंने कहा कि जब सुप्रीम ने संज्ञान लिया, तब केंद्र सरकार की नींद खुली और सरकार हरकत में आई। जिलाध्यक्ष ने मणिपुर में अविलं राष्ट्रपति शासन लागू करने की माग की।

BJP ने आगामी चुनाव में सोशल मीडिया को प्रमुखता देते हुए किया कार्यशाला का आयोजन

प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक मृत्युंजय शर्मा हुए उपस्थित

PHOTON NEWS RAMGARH: मंगलवार को भाजपा जिला कार्यालय में विधानसभा स्तरीय सोशल मीडिया कार्यशाला का आयोजन हुआ जिसमें भाजपा के प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक मृत्युंजय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला के वरिष्ट उपाध्यक्ष,चुनाव प्रबंधन समिति मीडिया प्रभारी सह महाजनसंपर्क अभियान के जिला संयोजक राजू चतुर्वेदी ने मंच संचालन सोशल मीडिया प्रभारी संतोष शर्मा ने एवं धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री प्रो.खिरोधर साहू ने किया। महापुरुषों की तश्विरों पर माल्यार्पण के साथ शुरू हुई बैठक में पिछले दिनों दिवंगत हुए भाजपा कार्यकर्ता एवं बूथ न.26 का अध्यक्ष रहे सुजीत गांगुली,एवं घाटों मंडल ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष विश्वनाथ महतो के लिए दो मिनट का मौन रखते हुए सभी ने उनकी आत्मा को शांति हेतु प्रार्थना किया। इस बैठक में आगामी चुनावों में सोशल मीडिया की महत्त्वता को ध्यान में रखते हुए सभी मंडलों के चार प्रभारी नयुक्त किए गए जिनकी जिम्मेवारी अपने मंडल के कम से कम 10 बूथ कमिटीयों का व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर उसे प्रदेश से जोड़ने की रहेगी ।

संयोजक मृत्युंजय शर्मा व अन्य सदस्य • फोटोन न्यूज

कार्यशाला में मृत्यंजय शर्मा के साथ प्रदेश से चल कर आए चार सदस्यीय दल में

कर्नल बी के सिंह(रि), नीतू सिंह,विश्वजीत सिंह ने भी अलग अलग मंडलों की टोलियां बनाकर कार्यशाला में उपस्थित कार्यकताओं को व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ी सभी जरूरी जानकारियां दी इस अवसर पर राजू चतुर्वेदी ने कहा की भाजपा की यही विशेषता है की इसमें प्रत्येक कार्यकर्ता को पार्टी से जोड़ कर रखता है। देश के किसी भी बूथ पर भाजपा के कार्यकर्ता काम करते हों पर उनकी सभी जरूरी जानकारियां भाजपा के मैनेजमेंट टीम के द्वारा संबंधित मंडल,जिले,प्रदेश और केंद्र तक उपलब्ध होते है जिससे चुनाव के समय कार्यकुशलत बढ़ जाती है। इस कार्यशाला में मुख्य रूप से जिला मीडिया प्रभारी सत्यजीत चौधरी, आईटी सेल प्रभारी प्रवीण सोनू, धीरज साहू, राकेश पांडा, सोनू कुशवाहा, रवि मिश्रा, कैंट मंडल महामंत्री सूर्यवंश श्रीवास्तव, जितेंद्र साहू, गणेश प्रसाद, मनोज सिन्हा, जितेंद्र, सूरज महतो, डिंपल कुमार, पंकज सिंह, निरंजन कुमार, मणिशंकर पाठक, सूरज श्रीवास्तव, मिथलेश मंडल, इत्यादि दर्जनों पदाधिकारी उपस्थित हुए।

यूपीए गठबंधन के लोग पाकुड़ की घटना पर मौन : आरती कुजूर

PHOTON NEWS RANCHI: भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष आरती कुजूर ने मंगलवार को कहा कि मणिपुर की घटना पर पूरा देश में चिल्ला-चिल्ला कर घड़ियाली आंसू बहाने वाले यूपीए गठबंधन के लोग आज पाकुड़ की घटना पर मौन हैं।

उन्होंने कहा कि इतना हल्ला और विरोध होने के बावजूद पाकुड़ में एक आदिवासी बहन के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। झारखंड में दुष्कर्म, हत्या आम बात हो गई है। कानून का डर खत्म हो गया है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा चाहे वो मणिपुर में हो राजस्थान में हो बंगाल में हो या झारखंड में, राजनीति से ऊपर उठकर इसका विरोध करें। ऐसे अपराधियों का कोई जाति धर्म नहीं होता है। इसलिए सभी सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक या अन्य गैर सरकारी संस्था सभी महिलाओं के खिलाफ हो रही हिंसक घटना के खिलाफ खड़े हों। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह किया कि बहनों के खिलाफ घट रही घटना पर त्वरित करवाई हो। ऐसी सजा मिले कि लोगों को भय हो। राष्ट्रपति को पत्र भी लिखें। आदिवासी मुख्यमंत्री, आदिवासी राज्य और आदिवासी बहनों के साथ सभी बहनों के ऊपर हो रहे जुल्म की दास्तां लिखें।

मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर घर-घर हो रहा है सत्यापन

PHOTON NEWS KHUNTI: जिले में मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के तहत घर -घर सत्यापन किया जा रहा है। मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के तहत 21 जुलाई से 21 अगस्त 2023 की अवधि में बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं के नाम का सत्यापन कर एक त्रुटिमुक्त एवं समावेशी मतदाता सूची बनाना है। एक अक्टूबर 2023 को 18 वर्ष या इससे अधिक आयु के मतदाताओं का पंजीकरण किया जाना है। मतदाता सूची व फोटो मतदाता पहचान पत्र में त्रुटियों का निराकरण किया जाएगा। नवविवाहित महिला मतदाताओं का नाम और नये पते का अद्यतनीकरण किया जाना है। उक्त अवधि के दौरान दिवंगत मतदाता का नाम मतदाता सूची से विलोपित किया जाएगा। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं बीएलओ को निर्देश दिया कि जिले में मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखना होगा कि एक भी योग्य मतदाता का नाम छूट नहीं पाये। आमजनों से अपील की गई है कि मतदाता सूची में निबंधन, स्थानातंरण, सुधार, नाम विलोपन आदि की जानकारी घर आये अपने बीएलओ को दें।

झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के मद्देनजर सत्ता और विपक्ष की बैठक 27 जुलाई को

बांग्लादेशियों के झारखंड में घुसपैठ का मुद्दा जोर-शोर से गुंजेगा

PHOTON NEWS RANCHI: झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र 28 जुलाई से शुरू हो रहा है। इसके मद्देनजर 27 तारीख को सत्ता पक्ष और विपक्षी दल की बैठक बुलाई गयी है। इस बार मानसून सत्र में कई मुद्दों पर विपक्षी दल सरकार से जवाब मांगेगा। भाजपा इस बार कई मुद्दों को विधानसभा में उठाने की तैयारी कर रही है। बांग्लादेशियों के झारखंड में घुसपैठ का मुद्दा जोर-शोर से गुंजेगा। विपक्ष के सवालों से निपटने के लिए सत्ता पक्ष के विधायक दल की बैठक 27 जुलाई को मुख्यमंत्री आवास में बुलाई गयी है। इस बैठक में विपक्ष के सवालों से निपटने की रणनीति बनेगी। मुख्यमंत्री आवास में शाम को बैठक होगी। इससे पहले दिन में कांग्रेस विधायक दल की बैठक मंत्री आलमगीर आलम के डोरंडा स्थिति सरकारी आवास पर होनी है। सत्ता पक्ष एक तरफ सवालों से निपटने की रणनीति बना रहा है तो दूसरी तरफ विपक्ष विधानसभा में किस तरह के सवालों से सरकार को घेरना है इसकी तैयारी के लिए 27 जुलाई को भाजपा ने भी विधायक दल की बैठक बुलाई है। विधानसभा में सरकार को घेरने की रणनीति पर चर्चा होगी। बैठक में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र व संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह के अलावा पार्टी के विधायक शामिल होंगे। राज्य में कानून व्यवस्था, नियोजन नीति, बेरोजगारी सहित कई मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश करेगी। हेमंत सरकार ने राज्य के कानून व्यवस्था के सवाल से निपटने के लिए पहले ही राज्य में डीजीपी सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक बुलाकर राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर फटकार लगाई।

मणिपुर की घटना से पूरा देश हुआ शर्मसार : सुरेश बैठा

PHOTON NEWS RANCHI: मणिपुर में हुए महिलाओं पर जघन्य अत्याचार ,बलात्कार के खिलाफ मंगलवार को कांके विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष मोहमद खालिद सैफुल्लाह और प्रकोष्ठ आदिवासी संघ के नेतृत्व में कांके स्थित लक्ष्मण चौक के समीप मणिपुर के मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह का पुतला दहन किया गया। मौके पर कांग्रेस प्रदेश महासचिव सुरेश बैठा ने कहा कि जिस तरह से मणिपुर की घटना हुवी है उससे पूरा देश शर्मसार हो गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को थोड़ी भी नैतिकता है तो तत्काल इस्तीफा दे देनी चाहिए वर्ना 2024 में पूरे देश की जनता भाजपा को इसका हिसाब लेगी। मौके पर महानगर युवा कांग्रेस अध्यक्ष जमील अख्तर, कांके विधानसभा अध्यक्ष खालिद सैफुल्लाह, सहित दर्जनों कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद थे।

BRIEF NEWS

अगले पांच दिनों तक राज्य में बारिश की संभावना

RANCHI : राज्य में अब तक मानसून का कुछ ही असर देखा गया है। मानसून की दस्तक के बाद भी किसानों को खेती योग्य बारिश नसीब नही हुई है। वहीं, एक दो दिन बारिश रूकने से लोगों को गर्मी का भी एहसास हो रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो आने वाले 28 जुलाई तक राज्य में बारिश के आसार है। अलग अलग दिनों की जानकारी देते हुए मौसम विज्ञान केंद्र ने ये जानकारी दी है। जिसमें बताया गया है कि आने वाले तीन दिनों तक राज्य में बारिश का असर देखा जायेगा। इस दौरान कुछ जिलों में तेज बारिश और वज्रपात की संभावना है। तो कुछ जिलों में छिटपुट बारिश का असर देखा जायेगा। मौसम विज्ञान केंद्र की माने तो आने वाले कुछ दिनों के दौरान तापमान में अधिक बदलाव नहीं देखा जायेगा। दो दिनों के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की जायेगी। जो दो डिग्री सेल्सियस तक होगी।

अनियंत्रित होकर मिक्सर वाहन पलटा, चालक घायल

RANCHI : डकरा चुरी परियोजना कार्यालय और लायंस क्लब के बीच धावैया टांड़ के पास मिक्सर वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे चालक मनोज महतो गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद एटक यूनियन के प्रतिनिधियों ने घायल चालक को डकरा अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद घायल को रांची रेफर कर दिया। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि चालक मिक्सर मशीन वाहन में पुल निर्माण के लिए मसाला लेकर धावैयाटांड़ जा रहा था। तभी अनियंत्रित होकर वाहन सड़क पर पलट गया। जिससे वाहन चालक मनोज महतो गंभीर रुप से घायल हो गया।

सर्पदंश के बढ़ते मामलों पर रिम्स सतर्क

RANCHI : झारखंड में सर्पदंश से किसी की मौत ना हो, ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश सीएम हेमंत सोरेन ने दिया था। उन्होंने पीएचसी, सीएचसी, अनुमंडल अस्पताल, जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में एंटी स्नेक वेनम दवा का स्टॉक पर्याप्त मात्रा में रखने का निर्देश दिया है। इसे देखते हुए रिम्स में 3000 वायल अतिरिक्त एंटी स्नेक वेनम खरीदने को लेकर निदेशक डॉ आरके गुप्ता ने आदेश जारी किया है। बता दें कि फिलहाल रिम्स में सर्पदंश के लिए एंटी स्नेक वेनम इंजेक्शन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

मुहर्रम को लेकर प्रशासन सतर्क, सीसीटीवी कैमरे से होगी निगरानी

RANCHI : रांची में मुहर्रम को लेकर तैयारियां शुरू हो गयी है। 29 जुलाई को निकलने वाले जुलूस के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत की जा रही है। रांची में शांति कायम रहे इसे लेकर पुलिस और प्रशासन अलर्ट है। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर सुरक्षा बल की तैनाती की जाने लगी है। दो हजार से ज्यादा पुलिस बल की तैनाती इलाके में होनी है। सुरक्षा बल में जिला बल, जैप, रैफ, सैफ, आइआरबी को ड्यूटी पर लगाया जायेगा। प्रशासन शहर के कोने- कोने पर सीसीटीवी के माध्यम से नजर रखेगा।जुलूस की मॉनेट्रिंग कंट्रोल रूम से की जायेगी। एसएसपी ने सभी कैमरों को दुरुस्त करने का निर्देश दिया है। सुरक्षा में किसी तरह की लापरवाही ना हो इसे देखते हुए एसएसपी किशोर कौशल ने हिंदपीढ़ी, लोअर बाजार, चुटिया, डोरंडा, लालपुर, बरियातू थाना सहित अन्य थाना के थानेदारों को भी अलर्ट रहने का निर्देश दिया है।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

झारखंड एटीएस की 109 दिनों की ताबड़तोड़ छापेमारी में 10 गिरफ्तार

हर दिन संगठित आपराधिक गिरोह के 15 ठिकानों पर रेड, 80 का सत्यापन

प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी देते आईजी अभियान व एटीएस एसपी।

CRIME REPORTER RANCHI : झारखंड में संगठित आपराधिक गिरोह के खिलाफ झारखंड एटीएस की ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी है। पिछले एक सप्ताह के दौरान पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर एटीएस की टीम ने झारखंड के पांच प्रमुख अपराधी गिरोह के 109 ठिकानों पर छापेमारी की है। यानी हर दिन एटीएस की टीम आपराधिक गिरोह के 15 ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। इस दौरान एटीएस की टीम ने अलग-अलग आपराधिक गिरोह से जुड़े 11 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा अलग- अलग आपराधिक गिरोह के 80 लोगों का सत्यापन किया गया है। 45 संदिग्ध लोगों से पूछताछ की गई। 36 लोगों को बांड डाउन कराया गया है। मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में आईजी अभियान एवी होमकर और एटीएस एसपी सुरेंद्र कुमार झा ने यह जानकारी दी।

इन चार आपराधीक गिरोह के 109 ठिकानों पर हुई छापेमारी

- अमन श्रीवास्तव
- अमन साहू
- प्रिंस खान
- कालू लामा

गिरोह के अपराधियों का डाटाबेस तैयार किया जा रहा

बताया गया कि डीजीपी के आदेश पर एटीएस की टीम द्वारा संगठित आपराधिक गिरोह के सदस्यों का डाटाबेस तैयार किया जा रहा है। जीरो टॉलरेंस को अपनाते हुए उनके खिलाफ एटीएस की कार्रवाई सख्ती के साथ जारी रहेगी। संगठित अपराध में शामिल किसी भी अपराधी और उनको शरण देने वाले व्यक्तियों को बख्शा नहीं जाएगा।

कितने हथियार और रुपये की हुई बरामदगी

- 05 पिस्तौल
- 01 रिवाल्वर
- 49.83 लाख रुपये
- 08 राउंड गोली
- 02 मैगजीन
- 01 स्कॉर्पियो
- 02 बाइक
- 14 मोबाइल फोन

तीन आपराधिक गिरोह के दस अपराधी हुए गिरफ्तार

एटीएस ने अमन साहू गिरोह के चंदन साव, बॉबी साव, सोनू कुमार, वारिश अंसारी और राजन कुमार को गिरफ्तार किया है। वहीं अमन श्रीवास्तव गिरोह के ऐजाज अंसारी, मिंकु खान और कालू लामा गिरोह के रोहित मुंडा, अभिषेक मल्लिक और शुभम विश्वकर्मा को गिरफ्तार किया है।

झारखंड में ये हैं आठ बड़े आपराधिक गिरोह के सरगना

- अखिलेश सिंह : दुमका जेल में
- अमन साहू : दुमका जेल में
- अमन सिंह : धनबाद जेल में
- लवकुश शर्मा : साहिबगंज जेल में
- विकास तिवारी : हजारीबाग जेल में
- अमन श्रीवास्तव : रांची जेल में
- डब्लू सिंह : फरार
- प्रिंस खान : फरार

प्रिंस खान गिरोह का शूटर अफजल चढ़ा पुलिस के हत्थे

बमबारी और गोलीबारी की घटना में था शामिल

CRIME REPORTER RANCHI : धनबाद में सक्रिय प्रिंस खान गिरोह का शूटर अफजल अंसारी गिरफ्तार हुआ है। मंगलवार को झारखंड एटीएस ने पलामू और धनबाद पुलिस के सहयोग से अफजल को पलामू से गिरफ्तार किया। अफजल मूल रूप से पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र का रहने वाला है। धनबाद जिले में बीते एक जून को तोपचांची थाना क्षेत्र के शान-ए-पंजाब होटल पर बमबारी की घटना हुई थी। इसके अलावा बीते दस जुलाई को गोविन्दपुर थाना क्षेत्र के बिहारी लाल चौधरी के शॉपिंग कॉम्पलेक्स पर फायरिंग की घटना में हुई थी, इन दोनों में अफजल शामिल था। दोनों घटनाओं को अंजाम देने के लिए अफजल अंसारी को प्रिंस खान ने 3.5 लाख रुपये दिये थे। अफजल को पलामू जिले के मनातू थाना कांड संख्या- 45/2016 में पॉक्सो कोर्ट ने 20 साल की सजा सुनाई गई है।

एटीएस को मिले 11 SI, संगठित अपराध पर तेज होगी जांच

राज्य में संगठित अपराध गिरोहो के फंडिग, आर्थिक स्त्रोत, अपराध से अर्जित किये हुए संपत्ति का पता लगाने तथा इन गिरोहों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई के खिलाफ मुहिम तेज करने के लिये आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) को 11 एसआई मिले हैं। नए एसआई मिलने के बाद एटीएस द्वारा की जा रही जांच में तेजी आने की उम्मीद है। 20 जुलाई को राज्य पुलिस स्थापना पर्षद की बैठक में यह निर्णय लिया गया है। इसमें रांची जिला बल के 2, सरायकेला खरसावां से एक, पलामू से एक धनबाद से तीन, हजारीबाग से दो, देवघर से एक और जमशेदपुर जिला बल के एक एसआई को एटीएस में पदस्थापित किया गया है। डीजीपी के आदेश में कार्मिक डीआईजी ने इससे संबंधित आदेश बीते सोमवार को जारी कर दिया है।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा, क्या दूसरे राज्य के टेट पास अभ्यर्थियों को शिक्षक नियुक्ति में मौका मिलेगा?

SPECIAL REPORTER RANCHI : झारखंड सीटेट उत्तीर्ण अभ्यर्थी संघ की ओर से दायर जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में मंगलवार को हुई। मामले में कोर्ट ने राज्य सरकार के अधिवक्ता को झारखंड सरकार से इंस्ट्रक्शन लेने का निर्देश दिया। कोर्ट ने इस मामले में पूछा कि झारखंड सरकार ने वर्ष 2016 के बाद से अब तक टेट परीक्षा नहीं ली है तो ऐसे में 23 अगस्त 2010 के एनसीटीई की गाइड लाइन में प्रावधान है कि अगर राज्य सरकार टेट परीक्षा नहीं लेती है तो दूसरे राज्य या केंद्र सरकार से टेट पास अभ्यर्थियों को शिक्षक नियुक्ति में कंसीडर किया जाएगा। कोर्ट ने इस संदर्भ में 18 अगस्त तक राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अगली सुनवाई 18 अगस्त को होगी। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई। बता दें कि पिछली सुनवाई में कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा था कि झारखंड में वर्ष 2016 के बाद से जेटेट की परीक्षा क्यों नहीं ली गई? प्रार्थी की ओर से रोहित रंजन सिन्हा और विशाल कुमार ने पैरवी की। बता दें कि प्रार्थी ने कोर्ट से राज्य सरकार को जेटेट परीक्षा शीघ्र लेने संबंधी आदेश देने का आग्रह किया है। प्रार्थी ने अपनी याचिका में कहा है कि बीते 7 वर्षों से झारखंड में जेटेट की परीक्षा आयोजित नहीं हो रही है ऐसे में सीटेट को भी जेटेट की तरह झारखंड में मान्यता दी जाए। क्योंकि सीटेट पास अभ्यर्थियों की उम्र सीमा भी धीरे-धीरे खत्म हो रही है। प्रार्थी की ओर से कोर्ट को यह भी बताया गया है कि राज्य सरकार बिना जेटेट की परीक्षा लिए शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करने जा रही है, जिससे करीब चार लाख अभ्यर्थी शिक्षक नियुक्ति परीक्षा में शामिल होने से वंचित हो जाएंगे। बता दें कि सूरज बिहारी मंडल एवं अन्य की ओर से भी सीटेट परीक्षा को लेकर हाईकोर्ट में रिट याचिका दाखिल की गई है।

संजीवनी बिल्डकॉन फर्जीवाड़ा मामले में HIGHCOURT ने फैसला रखा सुरक्षित

SPECIAL REPORTER RANCHI : संजीवनी बिल्डकॉन फजीर्वाड़ा मामले में आरोपी रांची के दो सर्किल ऑफिसर (सीओ) कृष्ण कुमार एवं ओम प्रकाश यादव की क्रिमिनल रिवीजन की सुनवाई मंगलवार को झारखंड हाईकोर्ट में हुई। कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया। दरअसल, इन दोनों सर्किल ऑफिसर पर आरोप था कि इन्होंने अपने सीईओ पद का दुरुपयोग करते हुए रकबा से ज्यादा जमीन का म्यूटेशन किया। साथ ही

संजीवनी बिल्डकॉन को फायदा पहुंचाया। सीबीआइ ने इनके खिलाफ एक ही मामले में तीन-तीन एफआईआर दर्ज किये थे। इन दोनों सीओ की ओर से हाइकोर्ट में क्रिमिनल रिवीजन दायर कर अपने खिलाफ दर्ज केस को निरस्त करने का आग्रह हाइकोर्ट से किया गया था। कृष्ण कुमार नगड़ी में सीओ पद पर थे। कृष्ण कुमार और ओम प्रकाश यादव के खिलाफ दर्ज तीन-तीन केस पर बहस हुई। मामले की सुनवाई हाइकोर्ट के न्यायमूर्ति एसके द्विवेदी की अदालत में हुई।

प्रेस क्लब में एक अगस्त को मुस्लिम इंटेलेक्चुअल मीट का होगा आयोजन

मुसलमानों के अधिकार को लेकर होगी चर्चा

पिठोरिया चौक स्थित ईदगाह में बैठक में शामिल लोग ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के मुसलमानों के अधिकार, न्याय, और विकास से संबंधित मुद्दों को लेकर एक अगस्त को रांची प्रेस क्लब में आम्या संगठन के नेतृत्व में मुस्लिम इंटेलेक्चुअल मीट का आयोजन किया जाएगा। जिसमें राज्य के हर जिले से बुद्धिजीवी और कार्यकर्ता शामिल होंगे। इसको लेकर राज्य भर में तैयारियां जोरों शोर से चल रही है हर प्रखंड में आमया संगठन के पदाधिकारी बैठक कर रहे हैं। कांके प्रखंड के पदाधिकारियों द्वारा केंद्रीय संगठन प्रभारी जियाउद्दीन अंसारी की अध्यक्षता में मंगलवार को पिठोरिया चौक स्थित ईदगाह में बैठक हुई। जिसमें आने वाले एक अगस्त को होने वाली मुस्लिम इंटेलेक्चुअल मीट को कामयाब बनाने को लेकर चचाएं की गई। बैठक में आम्या संगठन के पदाधिकारी जावेद अंसारी, अबु रेहान अंसारी, अख्तर अंसारी, असलम अंसारी, आजाद अंसारी, मिन्हाज अंसारी, बसीर अंसारी, एकरामुल अंसारी, सुभान अंसारी, अख्तर अंसारी,अहमद रजा, इमरान अंसारी, इकराम अंसारी, आसिफ खान, आसिफ अंसारी, मिनहाज अंसारी, मोइफ अंसारी एंव अन्य उपस्थित थे।

ब्रेन में फंसी थी गोली डॉक्टरों ने तीन घंटे सर्जरी कर निकाली

RANCHI : रिम्स के न्यूरो सर्जरी विभाग के डॉक्टरों ने 24 घंटे के अंदर सिर पर फंसी गोली को निकाल मरीज को नया जीवनदान दिया है। सात डॉक्टरों की टीम ने तीन घंटे तक सर्जरी कर मरीज का सफल आपरेशन किया। न्यूरोसर्जरी विभाग के एचओडी डॉ सीबी सहाय के नेतृत्व में पूरी टीम ने मरीज की गंभीरता को देखते हुए तुरंत सर्जरी का प्लान किया और उसकी जान बचायी। मरीज लापुंग निवासी जितेंद्र उरांव (उम्र 40 वर्ष) को सोमवार की रात 10 बजे रिम्स में भर्ती कराया गया था। उस वक्त उनकी काफी गंभीर स्थिति थी, जिसके बाद न्यूरो सर्जरी विभाग में मरीज को भर्ती कराया गया। न्यूरोसर्जरी विभाग के एचओडी डॉ सीबी सहाय ने बताया कि बुलेट लगने की वजह से ब्रेन के बायां हिस्सा डैमेज हुआ है, साथ ही ब्रेन के पिछले हिस्से में हड्डियां भी टूट गई थी। इसके अलावा ब्रेन अंदर से भी कुछ डैमेज हुआ था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मंगलवार को मरीज का सफल आपरेशन किया गया, मरीज अभी खतरे से बाहर है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में मरीज को याददाश्त सहित अन्य समस्या हो सकती है। मालूम हो कि मरीज जितेंद्र उरांव सोमवार शाम करीब 7:00 बजे अपने बच्चे के साथ लापुंग स्थित अपनी दुकान के बाहर बैठे हुए थे तभी किसी अपराधी ने उनके सिर के पीछे से गोली मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

साइबर अपराधियों से कमीशन लेकर ATM से पैसे निकालने वाले गिरफ्तार

CRIME REPORTER RANCHI : साइबर अपराधियों से कमीशन लेकर एटीएम से पैसा निकालने वाले गिरोह का खुलासा हुआ है। एसएसपी किशोर कौशल को मिली गुप्त सूचना के आधार पर रांची पुलिस की टीम बीआईटी मेसरा ओपी क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए तीन कमीशन एजेंट को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में बिहार के नालंदा के लालगंज का निवासी कमलेश कुमार, पटना जिले के मनेर थाना क्षेत्र स्थित सराय निवासी धर्मेंद्र सिंह गौतम और मेसरा ओपी स्थित ग्रीन सिटी में रहने वाले जितेंद्र सिंह शामिल हैं। कमलेश कुमार के पास से विभिन्न बैंकों के 11 एटीएम, धर्मेंद्र कुमार के पास से विभिन्न बैंकों के एटीएम एक टैब और 95 हजार रुपये और जितेंद्र के पास से विभिन्न बैंकों के चार एटीए कार्ड सहित अन्य सामान बरामद हुए हैं। पीसी को संबोधित करते हुए सिटी एसपी ने यह जानकारी दी। पुलिस के सूचना मिली थी कि ऑटो के चालक के पास विभिन्न बैंकों का एटीएम और कुछ अवैध कैश लेकर मेसरा से बूटी मोड़ की तरफ आएगा। उस एटीएम कार्ड से उसके द्वारा लाखों रुपए का लेनदेन किया जाता था। सूचना पर सिटी एसपी के नेतृत्व में एक टीम जुमार पुल के पास पहुंचे तो देखा कि मेसरा की ओर से उस नंबर की ऑटो आ रही है। पुलिस उस ऑटो को रुकवाकर ऑटो की तलाशी ली तो विभिन्न बैंकों के 11 एटीएम एवं दो मोबाइल फोन बरामद किये गए। एटीएम के संबंध में पूछताछ करने पर वह बताया कि धर्मेंद्र सिंह एटीएम कार्ड उपलब्ध करवाता है। जिससे ठगी का पैसा निकाला जाता है। इसके बाद धर्मेंद्र सिंह को पकड़ा गया। धर्मेंद्र सिंह को पूछताछ करने पर बताया कि जुमार नदी के पुल के पास सुशांत कुमार के मकान में भी एक घर किराए पर लिया हुआ है पुलिस वहां से जितेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया। तीनों आरोपी ऑटो चलाने का काम करते थे। धर्मेंद्र सिंह और जितेंद्र सिंह दोनों भाई हैं। धर्मेंद्र और कमलेश कुमार रांची में ऑटो चलाता है। करीब तीन माह पहले रांची आया था वही जितेंद्र पटना में ऑटो चलाता है, वह दो दिन पहले रांची पहुंचा था।

सात सौ रुपये लूटने के मामले में पुलिस ने दो को भेजा जेल

RANCHI : लोअर बाजार थाना की पुलिस ने मंगलवार को सात सौ रुपये लूटने के आरोप में दो युवक मो इदरीस और कवि कच्छप को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। दोनों के खिलाफ मौलाना आजाद कालोनी में रहने वाले सुलतान शेख ने प्राथमिकी दर्ज कराई है। सुलतान शेख ने दर्ज प्राथमिकी में कहा है कि दोनों आरोपितों ने चर्च मैदान के पास उन्हें पकड़ लिया और डरा धमका कर सात सौ रुपये और मोबाइल लूट लिया। पीड़ित ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया।

सिंहमोड़ में मिथेन गैस पाइपलाइन फटा, बाल बाल बचे लोग

RANCHI : सिंह मोड़ में मंगलवार को मिथेन गैस पाइपलाइन फट जाने की वजह से अफरा तफरी का माहौल हो गया। लोग अपनी जान बचाकर इधर उधर भागने लगे। मंगलवार को गेल कंपनी के द्वारा सड़क के नीचे पाइप बिछाने का काम किया जा रहा था। काम के दौरान ही पाइप लाइन फट गया। पाइप फटने से गैस तेजी से बाहर निकलने लगा। काम करने वाले कर्मचारियों को लगा कि बड़ी घटना हो सकती है। इस वजह से सभी कर्मचरी लीकेज को ठीक करने की जगह मौके से फरार हो गए। कचनार टोली में घनी आबादी क्षेत्र होने के कारण लगभग 50 से अधिक दुकानें हैं। सभी दुकानदार अपनी अपनी दुकान बंद कर भागने लगे। लोगों को कुछ समझ में नहीं आ रहा था। धीरे धीरे गैस का निकलना कम हुआ तो पता चला कि बिजली का अंडरग्राउंड केबलिंग करने वाली कंपनी के जेसीबी ने गैस पाइपलाइन में लीकेज कर दिया था। सूचना पर गेल कंपनी के पदाधिकारी मौके पर पहुंचे।

शहर में चप्पे-चप्पे पर लगे हैं एएनपीआर और आरएलवीडी कैमरों से कट रहा फाइन

रांची में एक महीने में 50000 वाहन चालकों ने तोड़े TRAFFIC RULES, भेजे ला रहे स्मार्ट चालान

SUHAIB ANSARI RANCHI : अगर आप राजधानी रांची में स्थायी निवास करते हैं या आसपास के इलाके से रांची पहुंचते हैं तो यातायात नियमों की अनदेखी कतई न करें नहीं तो आपकी समस्या बढ़ सकती है और एक छोटी सी भूल भारी पड़ सकती है। दरअसल शहर में अब ई-चालान की व्यवस्था शुरू हो गयी है और इसके लिए रांची स्मार्ट सिटी की ओर से राजधानी रांची के चप्पे चप्पे पर विभिन्न प्रकार के अत्याधुनिक तकनीक से लैस उपकरणों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इन उच्च तकनीक वाले

उपकरणों के माध्यम से शहर की सड़कों पर चलनेवाले सभी वाहनों की गहन निगरानी की जा रही है एवं यातायात नियम का पालन नही करनेवालों को स्वतः इस सिस्टम के तहत चिन्हित कर ई-चालान भेजा जा रहा है। परिवहन विभाग और यातायात पुलिस केसाथ समन्वय स्थापित कर रांची स्मार्ट सिटी के कमांड सेंटर से ये चालान निर्गत किए जा रहे हैं। एक महीने में अब तक केवल हेलमेट नहीं पहनने वालों के रूप में 50 हजार से ज्यादा लोगों को चिन्हित कर लिया गया है। इन्होंने किस स्थान पर नियम तोड़ा और गाड़ी सहित सभी विवरण ट्रैफिक पुलिस को भेजा जा चुका है। रांची यातायात पुलिस इस डाटा के आधार पर ई-चालान भेजना शुरू कर दी है। शहर में निर्धारित गति सीमा से ज्यादा स्पीड में चलने वाले वाहनों पर भी चालान कटना शुरू हो गया है। महज पांच दिनों में 1500 से ज्यादा वैसे लोगों को चिन्हित कर लिया गया है, जो निर्धारित गति सीमा का उलंघन कर रहे हैं।

कितनें उपकरणों से हो रही है मॉनिटरिंग

शहर के 70 जंक्शन से यातायात नियम तोड़ने वालों पर नजर रखी जा रही है और इसके रांची स्मार्ट सिटी और रांची पुलिस की ओर से कुल 1000 से ज्यादा उपकरणों की मदद ली जा रही है। इन उपकरणों में आईटीएमएस (इंटेलिजेंट ट्रांजिट मैनेजमेंट सिस्टम) के तहत आरएलवीडी कैमरे, एएनपीआर कैमरे और एसवीडी कैमरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन की रांची वासियों से अपील है कि आप ट्रैफिक नियमों का पालन करें और खुद को सुरक्षीत रखें। लोगों को यातायात नियमों के पालन के लिए वैरिएबल मैसेज साईन बोर्ड के माध्यम से मैसेज भी दिया जा रहा है। रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन के सीईओ अमित कुमार और रांची एसएसपी किशोर कौशल के निर्देश पर कमांड कंट्रोल एंड कम्युनिकेशन सेंटर के साथ डेडीकेटेड मैन पावर रखकर ई-चालान निर्गत करने का काम किया जा रहा है। रांची स्मार्ट सिटी के कर्मियों को विशेष निर्देश दिए गए हैं।

शिक्षक पर छात्राओं से छेड़खानी का आरोप

ग्रामीणों ने पिठोरिया थाना का किया घेराव, कार्रवाई की मांग

CRIME REPORTER RANCHI : जिले के पिठोरिया इलाके में स्थित एक स्कूल शिक्षक द्वारा छात्राओं के साथ छेड़खानी करने का मामला सामने आया है। इस खबर के बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गये और आरोपी पर कार्रवाई की मांग को लेकर आज मंगलवार को सैकड़ों की संख्या में पहुंचकर पिठोरिया थाना का घेराव किया। यह पूरा मामला पिठोरिया स्थित निश्चय मेमोरियल स्कूल का है। स्कूल के शिक्षक जगन्नाथ मिश्रा पर तीन नाबालिग छात्राओं के साथ छेड़खानी का आरोप है। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया है। छात्रा के पिता दिनेश उरांव ने सोमवार को पिठोरिया थाना में लिखित शिकायत

की थी। दर्ज शिकायत में कहा है कि उनकी बेटी निश्चल मेमोरियल हाई स्कूल पिठौरिया में पढ़ती है। सोमवार को जब वह स्कूल गयी तो शिक्षक रंथु मिश्रा उर्फ जगरनाथ मिश्रा ने उनकी बेटी के साथ अश्लील हरकत और छेड़खानी की। स्कूल से घर जाने के बाद छात्रा ने अपने पिता को सारी बातें बतायी। प्राथमिकी में आगे लिखा है कि शिक्षक ने उसी गांव की दो अन्य बच्चियों के साथ भी 10 दिन पहले दुर्व्यवहार और छेड़खानी की थी।

BRIEF NEWS

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना किया पौधरोपण

RAMGARH: रामगढ़ कॉलेज राष्ट्रीय सेवा योजना, इकाई एक और इकाई दो ने मेरा माटी मेरा देश कार्यक्रम अंतर्गत गोद लिए गांव सिरकंडेर में पौधरोपण किया। सिरकंडेर के पंचायत भवन के सामने आम, जामुन , बेल अमरूद और महोगनी के पौधे लगाए गए। इस कार्यक्रम में गांव के मुखिया रविंदर बेदिया, ग्राम पंचायत ,वार्ड पार्षद, पंचायत सेविका, वार्ड महिला सदस्य एवं ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ कामना राय ,अनामिका ने सबके साथ मिलकर वृक्ष लगाया और सबका मुंह मीठा कराया। रामगढ़ कॉलेज राष्ट्रीय सेवा योजना के सक्रिय स्वयंसेवक आशीष जायसवाल तथा देवेंद्र कुमार ने भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। अच्छी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

श्री मद् भागवत कथाज्ञान महायज्ञ को लेकर निकालेगी प्रभातफेरी

CHATRA: सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बचरा चार नंबर फुटबॉल मैदान में सितंबर महीने में आयोजित होने वाले श्रीमद् भागवत कथाज्ञान महायज्ञ को सफल बनाने को लेकर 25 जुलाई दिन मंगलवार की शाम 4 बजे बचरा चार नंबर चौक पर स्थित फुटबॉल मैदान परिसर में बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता मगध संघमित्रा क्षेत्र के स्टाफ ऑफिसर पर्सनल संजय कुमार चौबे और संचालन पिपरवार व्यवसायी संघ के अध्यक्ष सह श्रीमदभागवत कथा महायज्ञ समिति के अध्यक्ष सुनील साव ने किया। बैठक में इस महायज्ञ को सफल बनाने को लेकर पिपरवार क्षेत्र के आवासीय कॉलोनी में प्रभातफेरी निकालने, गांव गांव में जनसंपर्क अभियान चलाने, कालोनी में रहने वाले लोगों के बीच जागरूकता अभियान चलाने, इस भागवत कथा को लेकर प्रचार प्रसार करने समेत विभिन्न बिन्दुओं पर विचार विमर्श किया गया। इस बैठक में सर्वसम्मति से इस भागवत कथा महायज्ञ को सफल बनाने के लिए पिपरवार क्षेत्र के आवासीय कॉलोनी में प्रभातफेरी निकालने और प्रचार वाहन से गांव गांव में प्रचार प्रसार करने का निर्णय लिया गया।

पिपरवार क्षेत्र के नए एएफएम ने दिया योगदान

CHATRA: सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के नए एरिया फाइनेंस मैनेजर के रूप संगीत कुमार ने योगदान दिया। योगदान देने के साथ ही उन्होंने अपना कार्यभार संभाल लिया है। इससे पहले वे आम्रपाली चन्द्रगुप्त क्षेत्र के एएफएम के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने कहा कि कंपनी हित को देखते हुए कंपनी के नियमों का पालन करते हुए कार्य करना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। इसके अलावा फायनांस के कार्य को सुचारू रूप से चलाना भी मेरी प्राथमिकता होगी।

कुबेर होटल एंड फैमिली रेस्टोरेंट का शुभारंभ, बीडीओ व समाजसेवी ने किया उद्घाटन

CHATRA: चौपारण से बनारस मुख्य मार्ग लोहावर स्थान के समीप कुबेर लाईन होटल का शुभारंभ बीडीओ साकेत सिन्हा, समाजसेवी राजनारायण तिवारी युवा नेता हरी सिंह व सोनू सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर बीडीओ साकेत सिन्हा ने कहा कि कुबेर लाइन होटल एंड रेस्टोरेंट खुल जाने से आने जाने वाले यात्रियों व यहां के लोगों को खाने के लिए खाना आसानी उपलब्ध होगा। ऐसे में होटल संचालक विनय सिंह बधाई के पात्र हैं। समाजसेवी राजनारायण तिवारी ने कहा कि अब यहां के लोगों को स्वादिष्ट भोजन उचित मूल्य पर मिलेगा। होटल संचालक विनय सिंह ने कहा कि मेरे होटल में विभिन्न प्रकार के लजीज व्यंजन तैयार किया जाता है। विषेश 80 रुपये में भर पेट भोजन कराने की बात कह उन्होंने खाने के शौकीन एवं लजीज खाने वाले लोगों से एक बार कुबेर लाइन होटल आने एवं सेवा का लाभ देने का अपील किया।

सौतेली मां ने बेटे की गला दबाकर की हत्या, गिरफ्तार

ममता को किया शर्मसार : खुद की कोख से बेटा ना होने का था मलाल

PHOTON NEWS PALAMU: जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र के मनहूं गांव में एक सौतेली मां ने अपने बेटे की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपित मां को गिरफ्तार कर लिया है। उसने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया है। यह घटना सोमवार देर रात की है।

मनहूं गांव के लालमोहन यादव की पहली पत्नी की मौत सांप काटने से करीब एक दशक पहले हो गयी थी । पहली पत्नी से दो लड़के थे, जिसमें मृतक विवेक बड़ा था। उसने दूसरी शादी पिपरा थाना क्षेत्र के दलपतपुर की काजल देवी से की। काजल से दो लड़कियां हैं। लालमोहन ड्राइवरी करके अपने परिवार का भरण पोषण करता है। ग्रामीणों ने बताया कि काजल सौतेले बेटों से काफी डाह रखती थी और बच्चों से अक्सर झगड़ा भी करती थी। उसे खुद की कोख से बेटा न होने का भी मलाल रहता था ।

थाना प्रभारी शेखर कुमार ने बताया कि विवेक (11) की हत्या के पूर्व भी उसने विवेक को एक बार हंसुआ से काट दिया था। इस घटना के बाद लालमोहन ने विवेक को अपनी बहन के पास पहुंचा दिया था, जहां रहकर उसकी पढ़ाई होती थी लेकिन काजल ने पति से झगड़ा करके विवेक को फिर घर वापस बुलवा लिया और उसने इस हत्याकांड को अंजाम दे दिया। हत्या से पहले सौतेली मां विवेक की रॉड से पिटाई की और उससे भी जी नहीं भरा तो फिर गला दबा कर उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद काजल ने बेटे के शव को कुँवें में फेंक दिया।

पुलिस ने हत्यारोपित मां को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही घटनास्थल से खून से सना हुआ गमछा एवं विवेक के कपड़े को भी बरामद किया है। पुलिस हत्यारोपित से पूछताछ कर रही है।

लातेहार में POLYTECHNIC COLLEGE के student का फंदे से झूलता मिला शव

PHOTON NEWS LATEHAR: जिला मुख्यालय स्थित बानपुर मोहल्ले में सोमवार की रात अमित कुमार रवि नामक छात्र का शव कमरे में फांसी के फंदे पर झूलता हुआ बरामद हुआ। मृतक छात्र रामगढ़ जिला का रहने वाला है। वह लातेहार पॉलिटेक्निक कॉलेज का छात्र है। हालांकि प्रथम दृष्टया यह पूरा मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है।

घटनास्थल जाच करती पुलिस ● फोटोन न्यूज

जानकारी के अनुसार बानपुर मोहल्ले में स्थित एक लॉज में अमित कुमार रवि किराया पर रहता था। सोमवार की रात उसका शव बंद कमरे में फांसी के फंदे पर झूलता हुआ बरामद हुआ। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस इंस्पेक्टर आशुतोष कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि पुलिस इस मामले की जांच आरंभ कर दी है ।पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। छात्र की मौत के मामले में हर पहलू को ध्यान में रखकर घटना की जांच की जा रही है।

बताया जाता है कि जिस कमरे में छात्र का शव बरामद हुआ है ,वह कमरा अंदर से पूरी तरह बंद था। मृतक छात्र के कान में ईयर फोन भी लगा हुआ था। पुलिस पूरे मामले की तफ्तीश कर रही है।

अखिल झारखंड कोयला श्रमिक संघ भुरकुंडा शाखा की बैठक 26 को होने वाले महाधरना की तैयारियों पर हुई चर्चा

कहा- कई मायनों में ऐतिहासिक होगा यह धरना

PHOTON NEWS BHURKUNDA: भुरकुंडा पंचायत सचिवालय में मंगलवार को अखिल झारखंड कोयला श्रमिक संघ भुरकुंडा शाखा की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता धर्मेंद्र मिश्रा वह संचालन विकास कांत सिन्हा ने किया। बैठक में क्षेत्रीय सचिव संजय मिश्रा मुख्य रूप से मौजूद थें। बैठक में कोयला मजदूरों की समस्याओं के समाधान को ले आगामी 26 जुलाई को महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष होने वाले महाधरना की तैयारियों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। कहा गया कि भुरकुंडा परियोजना से लगभग 100 कर्मचारी महाधरना में हिस्सा लेंगे। क्षेत्रीय सचिव संजय मिश्रा ने कहा कि समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है यह धरना सबों के लिए

धरना की तैयारीयो में जुटे संघ के लोग ● फोटोन न्यूज

काफी हितकारी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि यह महाधरना कई मायनों में ऐतिहासिक होगा। मौके पर शैलेंद्र सिंह, रोबिन मुखर्जी, अश्विन सहाय, शंभू रजवाड़, उमेश रविदास, मुद्रिका रविदास, सोमरा उरांव, मनोज मुंडा, रमेश कुमार, कृष्णा मुंडा, अनिल राय सुरेश साव सहित संघ के दर्जनों लोग मौजूद थें।

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय कार्यक का आयोजन

RAMGARH: मंगलवार को उपायुक्त रामगढ़ माधवी मिश्रा के निदेर्शानुसार जिला नोडल पदाधिकारी तम्बाकू नियंत्रण डॉ० सविता वर्मा की अध्यक्षता में बुनियादी विद्यालय गोला रोड के सभागार में तम्बाकू फ्री एजुकेशन इंस्टिट्यूट के दिशा निदेर्शों का अनुपालन कराने के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के दौरान सर्वप्रथम सीड सोसिओ-इकनोमिक एजुकेशन डेवेलपमेंट सोसाइटी के प्रतिनिधि रिम्पल झा के द्वारा उपस्थित सभी को तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम की विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान जिला नोडल पदाधिकारी तम्बाकू नियंत्रण डॉ सविता वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस तरह के कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जिले के सभी विद्यालयों/शिक्षण संस्थानों को तम्बाकू फ्री एजुकेशनल इंस्टिट्यूट बनाना है।

रामगढ़ कॉलेज एलुमनी एसोसिएशन ने डॉ सुनील कुमार अग्रवाल को किया सम्मानित

PHOTON NEWS RAMGARH: रामगढ़ कॉलेज एलुमनी एसोसिएशन, रामगढ़ के सदस्यों ने पूर्व संस्थापक अध्यक्ष श्री सुरेश पी अग्रवाल के नेतृत्व में डॉ सुनील कुमार अग्रवाल, एसोसिएट प्रोफेसर, कॉमर्स संकाय , रामगढ़ कॉलेज एवं रामगढ़ कॉलेज एलुमनी एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ सुनील कुमार अग्रवाल को विनोबा भावे विश्वविद्यालय द्वारा स्नातकोत्तर कॉमर्स संकाय के अध्यक्ष बनाए जाने पर उनके आवास में जाकर उन्हें शॉल ओढ़ाकर एवं पुष्प गुच्छ प्रदान करके सम्मानित किया।

डॉ. सुनील अग्रवाल को सम्मानित करते एलुमनी एसोसिएशन के लोग ● फोटोन न्यूज

डॉ. सुनील अग्रवाल 1996 बैच के सहायक आचार्य के रूप में आर.एस. मोर कॉलेज, गोविंदपुर में प्रथम योगदान दिया था, तत्पश्चात एस.एस.एल.एन.टी. महिला महाविद्यालय, धनबाद में सेवा प्रदान करने के बाद 2008 से सतत रामगढ़ महाविद्यालय , रामगढ़ में सेवारत थे।वे एक कर्मठ और सक्रिय शिक्षक के रूप में जाने जाते हैं ।

उनके पी.जी. हेड बनाए जाने पर रामगढ़ कॉलेज एलुमनी एसोसिएशन के सदस्यों में हर्ष व्याप्त है। उन्हें अनेकानेक बधाइयां और शुभकामनाएं देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करने वालों में डॉ. शारदा प्रसाद, पूर्व अध्यक्ष, रामगढ़ कॉलेज एलुमनी एसोसिएशन एवं पूर्व प्राचार्या, रामगढ़ कॉलेज, रामगढ़, नानूराम गोयल, प्रो. प्रणीत कुमार, सचिव, रामगढ़ कॉलेज एलुमनी एसोसिएशन, डॉ. भारत भूषण श्रीवास्तव, सुंदरलाल, प्रो. ताराशंकर अग्रवाल, पन्नालाल महतो इत्यादि उपस्थित थे।

राज नर्सिंग होम में लायंस क्लब का हृदय रोग जांच शिविर 30 को: महतो

PHOTON NEWS BHURKUNDA: लायंस क्लब ऑफ भुरकुंडा के सौजन्य से आगामी 30 जुलाई को ट्रेक्टर स्टैंड भुरकुंडा स्थित राज नर्सिंग होम में निःशुल्क हृदय रोग जांच शिविर लगाया जायेगा। उक्त जानकारी देते हुए लायन राजेन्द्र महतो ने बताया कि वर्तमान समय में हृदय रोग, स्वांस से संबंधित रोगियों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है। जिसे देखते हुए लायंस क्लब ऑफ भुरकुंडा ने हृदय एवं धमनियों से संबंधित रोगों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करेगा। उन्होंने बताया कि शिविर में रांची के सुप्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ वरुण कुमार द्वारा ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच करेंगे। साथ ही उचित परामर्श भी देंगे। श्री महतो ने क्षेत्रवासियों से स्वांस एवं हृदय से संबंधित परेशानी होने वाजे व्यक्तियों से उक्त शिविर का लाभ उठाने के लिए रजिस्ट्रेशन कराने की बात कही है। उन्होंने कहा कि यह शिविर ग्रामीणों के लिए काफी

लाभकारी सिद्ध होगा। अधिक जानकारी के लिए क्लब की अध्यक्ष माला शर्मा, सचिव रेखा वर्णवाल, कोषाध्यक्ष अंजू देवी, पूर्व अध्यक्ष एमजेएफ लायन राजेंद्र महतो, पूर्व सचिव लायन विजयंत कुमार, पूर्व कोषाध्यक्ष लायन अशोक सिन्हा, राजेश अग्रवाल, लायन अखिलेश शर्मा, प्रमोद शर्मा, सुबेदार एचएन यादव, सीमा यादव, विजय वर्णवाल, प्रमोद शर्मा, संजय सिंह, संजय कुमार, अजय सिंह, निर्मल अग्रवाल, निर्मल अग्रवाल, सोनाराम मांझी, मो. मुमताज, अखिलेश टोप्पो, रमेश अग्रवाल आदि ने 9631465521 नंबर पर संपर्क करने की बात कही है।

भारत के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में अहम भूमिका निभाते रहेंगे : नवीन जिंदल

जिन्दल स्टील एंड पावर को ' ग्रेट प्लेस टू वर्क ' का मिला प्रमाण-पत्र, अधिकारियों व कर्मियों में हर्ष

PHOTON NEWS BHURKUNDA: भारत के अग्रणी उद्योग समूहों में से एक और विश्व स्तर पर स्टील, बिजली, खनन एवं बुनियादी ढांचा क्षेत्र की जानी-पहचानी कंपनी जिन्दल स्टील एंड पावर (जेएसपी) ने घोषणा की है कि उसे जुलाई 2023 से जुलाई 2024 की अवधि के लिए ग्रेट 'प्लेस टू वर्क' (जीपीटीडब्ल्यू) प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया है। प्रेस विज्ञप्ति के जारी कर बताया गया अनुसार यह प्रमाण-पत्र प्रदान करने वाली संस्था ग्रेट प्लेस टू वर्क का दुनिया में बड़ा नाम है और इसकी बड़ी साख है। इसलिए इस प्रमाण-पत्र को प्राप्त करना गर्व का विषय है। ग्रेट प्लेस टू वर्क प्रमाण-पत्र मिलना जेएसपी की उस अटूट प्रतिबद्धता का सबूत है, जिसमें प्रत्येक कर्मचारी आगे बढ़ सकता है, कंपनी के विकास में

जिंदल स्टील एंड पावर

सकारात्मक योगदान कर सकता है और खुद को पोषित एवं प्रेरित महसूस कर सकता है। जेएसपी के चेयरमैन नवीन जिन्दल ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे लोगों की निष्ठा एवं समर्पण के कारण हमारी असाधारण विकास यात्रा संभव हुई है। हमारा दृढ़ विश्वास है कि जेएसपी के लिए हमारे दीर्घकालिक दृष्टिकोण के केंद्र में लोगों को रखकर और सभी के लिए सपनों के कार्यस्थल का निर्माण कर हम अपने व्यवसाय को न सिर्फ नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे बल्कि अपने देश के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में भी अपनी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि ग्रेट प्लेस टू वर्क प्रमाणपत्र हासिल करना जिन्दल स्टील एंड पावर के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो कर्मचारियों को सशक्त बनाता है और इनोवेशन, विकास एवं सांझी सफलता को बढ़ावा देता है। मालूम हो कि स्टील, ऊर्जा, खनन और बुनियादी ढांचा क्षेत्र में अग्रणी जिन्दल स्टील एंड पावर एक प्रमुख भारतीय उद्योग समूह है, जिसका लक्ष्य राष्ट्र के भविष्य को मजबूत करना और एक बेहतरीन विश्व का निर्माण करना है। दुनिया भर में 12 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश के साथ जेएसपी आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना योगदान बढ़ाने के उद्देश्य से निरंतर अपनी क्षमता और दक्षता में नए आयाम जोड़ रही है।

सौंदाडीह पंचायत में जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र बनाने के लिए फैलाई जायगी जागरूकता

बैठक में उपस्थित जनप्रनिधि, ग्रामीण, प्रधानाध्यापक व शिक्षक ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS BHURKUNDA: सौन्दा डी पंचायत भवन में सोमवार को पखवाड़ा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय मुखिया उपेंद्र शर्मा ने किया। बताया गया कि उक्त कार्यक्रम 14 जुलाई से 15 अगस्त तक चलेगा। कार्यक्रम के तहत जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र बनाने को ले जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों के साथ बैठक की। बैठक में जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र बनाने के लिए जागरूकता फैलाने आदि मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में मुख्य रूप से पंचायत सचिव खुशबू रानी, पंचायत समिति प्रतिनिधि डब्लू पांडेय, उप मुखिया संजय भारती, हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक अनुज कुमार खत्री, मध्य विद्यालय सौन्दा डी के प्रधानाध्यापक मटूक राम, वार्ड सदस्य सुबोध रजक, सीता देवी, वार्ड सदस्य प्रतिनिधि नागेंद्र कुमार, अरविंद झा, स्वयंसेवक संतोष रजक, आंगनबाड़ी सेविका सुनीति, देवी सरिता कुमारी सहित कई ग्रामीण मौजूद थें।

जन्म एवं मृत्यु के निबंधन के महत्व के प्रति लोगों को करें जागरूक : उपायुक्त

विभिन्न पेंशन योजनाओं व जन्म-मृत्यु निबंधन को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

PHOTON NEWS RAMGARH: सर्वजन पेंशन योजना अंतर्गत विभिन्न पेंशन योजनाओं एवं जन्म-मृत्यु निबंधन को लेकर मंगलवार को उपायुक्त, रामगढ़ माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया।

सर्वजन पेंशन योजना अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के तहत हो रहे कार्यों की प्रखंडवार समीक्षा की गयी। उपायुक्त ने कहा कि सर्वजन पेंशन योजना के माध्यम से जिले के सभी योग्य लाभुकों को पेंशन का लाभ दिया जाना संभव है। इसलिए अधिकारी इसे गंभीरता से लेते हुए जो भी आवेदन प्राप्त हो रहे हैं, उनके निष्पादन हेतु तीव्र गति से कार्य करें। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने जिन प्रखंडों में कार्य संतोषजनक नहीं पाया उनके प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं

बैठक करते उपायुक्त माधवी मिश्रा ● फोटोन न्यूज

अन्य संबंधित कर्मियों को अभियान मोड में कार्य करते हुए आवेदनों का निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वही उपायुक्त ने लाभुकों के फोन नंबर, आधार कार्ड संहित अन्य जानकारियां अपडेट करने के तहत हो रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए इस दिशा में कार्य करने को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। जन्म-मृत्यु निबंधन को लेकर 14 जुलाई से 14 अगस्त 2023 तक चलाए जा रहे है। विशेष अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। इस क्रम में उपायुक्त ने कहा कि किसी भी क्षेत्र के विकास व योजनाओं को सफलतापूर्वक धरातल पर उतारने के लिए सही आंकड़ों का होना बेहद जरूरी होता है। इसीलिए यह बहुत जरूरी है कि लोग जन्म व मृत्यु निबंधन ससमय कराएं। वर्तमान में जागरूकता के अभाव में कई लोग जन्म-मृत्यु निबंधन समय से नहीं करा पाते हैं। इस संबंध में उपायुक्त ने जन्म-मृत्यु निबंधन की प्रक्रिया एवं इसके फायदों के प्रति लोगों को जागरूक करने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं उपायुक्त ने प्रतिदिन बड़ी संख्या में प्रखंड, छावनी नगर, परिषद कार्यालयों में आने वाले लोगों को पोस्टर, बैनर सहित अन्य माध्यमों से जन्म-मृत्यु निबंधन के फायदे एवं प्रक्रिया के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने लोगों को जन्म व मृत्यु निबंधन करवाने हेतु नजदीकी प्रखंड, छावनी व नगर परिषद कार्यालय में संपर्क करने के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया। जन्म मृत्यु निबंधन हेतु आवेदन प्राप्त होने के उपरांत योजनाबद्ध तरीके से आवेदनों के निष्पादन के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला आपूर्ति पदाधिकारी सह जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी सह जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति रही।

आजसू प्रखंड कमेटी ने पतरातू प्रखंड में लगाया जनसमस्या निवारण शिविर

शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करते आजसू के सदस्य ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS BHURKUNDA: आजसू पार्टी पतरातू प्रखंड कमेटी के तत्वावधान में मंगलवार को पतरातू प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में मुख्यालय दिवस पर जनसमस्या निवारण शिविर लगाया गया। शिविर में कई ग्रामीणों की समस्याओं का ऑन द स्पॉट समाधान किया गया। साथ ही अन्य समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभाग को निर्देशित किया गया। मौके पर पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष गंगाधर महतो ने बताया की उक्त शिविर प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी के केंदीय महासचिव सह बड़कागांव विधानसभा प्रभारी रोशनलाल चैधरी की सोच है की किसी भी ग्रामीण को अपने कार्य के लिए परेशान न होना पड़े। इसी उद्देश्य से शिविर लगाया गया है। इसके लिए उन्होंने पार्टी के कार्यकताओं को सजग रहने का निर्देश दिया है। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष गंगाधर महतो, प्रखंड सचिव विश्वरंजन सिन्हा, प्रखंड कार्यकारी अध्यक्ष ब्रजेश सिंह, जिला उपाध्यक्ष राजू कुमार, जिला संगठन सचिव अशोक पाठक, जिला संगठन सचिव विक्रांत साहू, जिला सह सचिव अजय रवि, प्रखंड उपाध्यक्ष रघु महतो, पालू पंचायत अध्यक्ष फूलचंद महतो, पतरातू पंचायत अध्यक्ष राकेश विश्वकर्मा, ओबीसी मोर्चा प्रखंड उपाध्यक्ष गणपत साव, दीपू कुमार, नरेश राम, दशरथ शर्मा, राजकिशोर प्रसाद सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थें।

BRIEF NEWS

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में छात्राओं ने बनाया अग्निशमन यंत्र का मॉडल

JAMSHEDPUR : कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय सुंदरनगर की छात्राओं की ओर से मंगलवार को विद्यालय एक्टिविटी का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं की ओर से अग्निशमन यंत्र का मॉडल बनाया गया। तो सबसे पहले छात्राओं की ओर से चंद्रयान और वोटिंग मशीन का अलग-अलग मॉडल बनाया गया। इस गतिविधि में छात्राएं पूरे उत्साह के साथ हिस्सा ले रहे हैं। उपायुक्त विजया यादव के निर्देश पर उप विकास आयुक्त मनीष कुमार के मार्गदर्शन में जिला शिक्षा पदाधिकारी निर्मला कुमारी बरेलिया के प्रोत्साहन से प्रत्येक सप्ताह यह कार्य कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। विद्यालय की शिक्षिका कल्पना कुमारी की ओर से स्कूल स्तर पर संचालित गतिविधियों का संयोजन किया जा रहा है। इसमें विद्यालय की वार्डन रीना सिंह सहित तमाम शिक्षिकाएं छात्राओं को प्रेरित करने का कार्य कर रहे हैं।

विश्वकर्मा बस्ती का विधायक मंगल कालिंदी ने किया दौरा, समस्याओं से हुए अवगत

JAMSHEDPUR : जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी ने मंगलवार को हुरलुंग पंचायत अंतर्गत लालटांड ग्राम के विश्वकर्मा बस्ती का दौरा किया। इस दौरान स्थानीय लोगों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं से अवगत हुए। स्थानीय लोगों ने सड़क, नाली और पानी की समस्या से विधायक को अवगत कराया। ग्रामीणों के साथ विधायक ने सड़क का निरीक्षण स्थानीय लोगों के साथ किया और दो पेवर्स ब्लॉक सड़कें विधायक निधि से बनाने की घोषणा की। वहीं पेयजल की समस्या पर विधायक ने कहा कि उनकी अनुशंसा पर हुरलुंग में 10 करोड़ रूपए से घर घर नल जल योजना का कार्य शुरू हो चुका है जल्द ही इसका लाभ यहां की जनता को मिलेगा।विधायक ने अन्य समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया। मौके पर विधायक ने कहा कि विकास कार्य उनकी अनुशंसा पर हो रहा हैं। लेकिन श्रेय लेने के लिए लोग झूठी राजनीति कर रहे हैं।

जागरूकता शिविर में उद्यमियों को किया गया मतदान के प्रति सजग

ADITYAPUR : आदित्यपुर के ऑटो क्लस्टर सभागार में मंगलवार को मतदान के प्रति उद्यमियों को जागरूक करने के उद्देश्य से एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य रूप से मुख्य निर्वाचन निबंधन अधिकारी के रवि कुमार उपस्थित थे। उन्होंने उद्यमियों से कर्मचारियों का रजिस्ट्रेशन कराने और वेतन के साथ वोट करने भेजना सुनिश्चित करने का आग्रह किया। पत्रकारों से बात करते हुए के रवि कुमार ने कहा कि यह जागरूकता कार्यक्रम चुनाव आयोग के निर्देश पर हर जगह किया जा रहा है। जिसका लक्ष्य सौ फीसदी मतदान सुनिश्चित कराना है। उन्होंने बताया कि खास तौर पर उन क्षेत्रों में जहां मतदान का प्रतिशत कम रहता है, वहां जागरूकता कार्यक्रम कर लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करना उद्देश्य है। इस कार्यक्रम में जिले के डीसी अरवा राजकमल, एडीसी सुबोध कुमार, गम्हरिया अंचलाधिकारी मनोज कुमार, बीडीओ मारुति मिंज मौजूद थी।

शास्त्रीय गायन व भजनों के प्रस्तुति से संगीत प्रेमी हुए भाव विभोर

ADITYAPUR : विगत 34 वर्षों से श्री आरडी अखाड़ा बिष्टुपुर के हनुमान मंदिर प्रांगण में प्रत्येक मंगलवार को शास्त्रीय संगीत की मंगल संध्या कार्यक्रम निरंतर होती चली आ रही है। मंगलवार को इसी क्रम में मास्टर रोहिक बागची ने शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति दी। जिसमें उन्होंने राग बागेश्वरी में बड़ा ख्याल और छोटा ख्याल फिर तराना सुनाया। उसके बाद उन्होंने दो भजन सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके साथ तबले पर जमशेदपुर के जाने-माने तबला वादक स्वरूप मोइत्रा ने और हारमोनियम पर प्रतिष्ठित गायक अनिल सिंह ने मधुर संगत की।

राज्य कर्मियों व सेवानिवृत कर्मचारियों को मिलेगा 5 लाख के स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ : BANNA

मौजूदा वर्ष में उपलब्ध करायी जायेगी 100 करोड़ की राशि

उक्त योजना से राज्य विधानसभा के पूर्व माननीय सदस्य, अखिल भारतीय सेवाओं के इच्छुक सेवारत, सेवानिवृत, राज्य सेवाओं के सेवानिवृत पदाधिकारी, कर्मचारी, राज्य सरकार के बोर्ड, निगम, संस्थान, संस्था के कार्यरत सेवानिवृत नियमित कर्मी, राजकीय विश्वविद्यालयों एवं उनके अंतर्गत महाविद्यालय में कार्यरत, सेवानिवृत शिक्षकगण एवं शिक्षेत्तर कर्मी बीमा प्रदान करने हेतु निर्धारित बीमा राशि का भुगतान कर इस योजना का लाभ मिलेगा। इस योजना के लाभुक हो जाने के उपरांत राज्य सरकार के द्वारा ऐसे सभी कर्मियों ,सेवानिवृत कर्मियों को 500 प्रतिमाह चिकित्सा भत्ता का भुगतान ओपीडी जॉच ,दवा आदि हेतु भुगतान किया जाएगा।योजना हेतु स्वास्थ्य विभाग के द्वारा बीमा कंपनी का चयन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रोजेक्ट भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि यह योजना राज्यकर्मियों और उनके आश्रितों के लिए हेमंत सरकार द्वारा तौहफा है, इस दिन को इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों से लिखा जायेगा, गठबंधन की सरकार अपने राज्यकर्मियों के साथ मजबूती से खड़ी है।

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : अब राज्य कर्मियों और सेवानिवृत कर्मियों को स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत मिलेगा 5 लाख रुपए का लाभ मिलेगा।यह बात स्वस्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने राज्य के पदाधिकारियों व कर्मियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु देय चिकित्सा भत्ता को समाप्त करते हुए इसके बदले वार्षिक प्रीमियम पर स्वास्थ्य बीमा योजना की सुविधा प्रदान किये जाने को लेकर एक

मंत्री बन्ना गुप्ता की फाईल फोटो।

कैबिनेट की बैठक में राज्य कर्मियों, सेवानिवृत कर्मियों को स्वास्थ्य बीमा योजना से लाभ दिये जाने हेतु निम्नांकित प्रस्ताव पास किया गया। जिसमें कर्मियों के आश्रित सदस्यों, जिनमें उनके पति ,पत्नी, पुत्र वैध दत्तक पुत्र जिनकी आयु 25 वर्ष की आयु तक होनी चाहिए। साथ है बेरोजगार होना चाहिए। इसके अलावे अविवाहित पुत्री, विधवा,नाबालिग भाई एवं अविवाहित बहन एवं आश्रित माता-पिता को प्रतिमाह 9000 मिलेंगे। इसके अलावे आलोक में पाँच लाख रुपए प्रतिवर्ष की अधिसीमा के अन्तर्गत स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा गंभीर बिमारियों की चिकित्सा हेतु चयनित बीमा कंपनी के द्वारा स्थापित प्रक्रियानुसार अपनी निधि से 50 करोड़ रुपए का कॉरपोरेट बफर संधारित किया जाएगा। गंभीर बिमारियों के चिकित्सा पर होने वाला व्यय पाँच लाख से अधिसीमा से अधिक होने की स्थिति में अतिरिक्त पाँच लाख रूपए तक की चिकित्सीय प्रतिपूर्ति स्वास्थ्य विभाग की सहमति के बाद संबंधित बीमा कंपनी के द्वारा वहन किया जाएगा।कर्मियों को तत्काल उच्चतर संस्थान में उपचार हेतु विशेष परिस्थिति में एयर एम्बुलेंश, वायुयान यात्रा की सुविधा दी जायेगी।

साकची बाजार शिव मंदिर में सहस्त्र घट जलाभिषेक का हुआ आयोजन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : मंगलवार को साकची बाजार श्री श्री शिव मंदिर में सावन माह के शुभ अवस.ार पर सर्व कल्याण की कामना हेतु सहस्त्र घट जलाभिषेक का आयोजन किया गया। श्री श्री साकची शिव मंदिर और श्री श्याम परिवार द्धारा आयोजित इस धार्मिक अनुष्डान के दौरान मंदिर परिसर में जलाभिषेक से पहले वैदिक मंत्रोच्चारण द्वारा पंडित बिपीन झा के सानिध्य में 11 पुजारियों द्वारा विधिवत अभिषेक पूजा शुभारंभ किया गया। जलाभिषेक के बाद भगवान महादेव का श्रृंगार कर शाम को महाआरती की गई।

शिव मंदिर मे सहस्त्रघट जलाभिषेक करते श्रद्धालु। ● फोटोन न्यूज

महाआरती क बाद प्रसाद का वितरण किया गया।

इस दौरान मंदिर परिसर में बोल बम और भोले बाबा के जयकारे लगते रहे। मंदिर कमिटी से जुड़े सात यजमान क्रमशः उषा-उमेश साह, रानी-संजय अग्रवाल, किरण-कमल

आयुष्मान पखवाड़ा के क्रियान्वयन को लेकर डीसी ने की बैठक

PHOTON NEWS ADITYAPUR : सरायकेला डीसी अरवा राजकमल ने मंगलवार को अपने कार्यालय में 4 अगस्त तक संचालित होने वाले आयुष्मान पखवाड़ा के सफल क्रियान्वयन को लेकर बैठक किया। बैठक में डीसी के साथ उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार गागराई, सिविल सर्जन डॉ. विजय कुमार, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण झारखंड कोऑर्डिनेटर मोनिका राणा, सीनियर कंसलटेंट कैपेसिटी बिल्डिंग झारखंड स्टेट आरोग्य सोसायटी से अनुपमा सिंह, जिला की टीम से डीपीएम निर्मल दास, अर्चना तिग्गा एवं अन्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान अनुपमा सिंह ने जिले में संचालित आयुष्मान पखवाड़ा के सम्बन्ध में जानकारी दी। उन्होंने बताया की जिले में 6 लाख लोगों को आयुष्मान कार्ड से जोड़ा जाना है। जिसके लिए लाभुक का नाम, आधार संख्या एवं थम्ब इंप्रेशन कर ई केवाईसी किया जा रहा है। परन्तु कुचाई, कुकडू क्षेत्र में ग्रामीण रूचि नहीं दिखा रहें है।

PATNA साहिब प्रबंधन कमिटी में JHARKHAND का प्रतिनिधित्व काटने पर अड़ा बिहार सिख प्रतिनिधि बोर्ड

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : सिखों के दूसरे बड़े धार्मिक तख्त एवं गुरु गोबिंद सिंह जी की जन्मस्थली का प्रबंधन करने वाली तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब प्रबंधन कमिटी में झारखंड के सिखों की भागीदारी पूर्वतः रहेगी अथवा नहीं। पिछले कई सालों से बिहार के सिखों की संस्था बिहार सिख प्रतिनिधि बोर्ड झारखंड के सिखों की भागीदारी काटने के उद्देश्य में लगी हुई है और इस बार तो उसने पटना हाई कोर्ट जाने का मन भी बना लिया है। बोर्ड की ओर से पटना उच्च न्यायालय की वकील विजेता विश्वास ने इस आशय का एक नोटिस भी तख्त के कस्टोडियन जिला एवं सत्र न्यायाधीश पटना, निर्वाचन प्रक्रिया पूरी करने वाली बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार एवं निर्वाचन पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी पटना सिटी को भेजा है और इसकी प्रति प्रबंधन कमेटी के प्रधान सरदार जगजोत सिंह सोही एवं महासचिव इंद्रजीत सिंह को भेजी गई है।

। ● फोटोन न्यूज

प्रबंधन के लिए बिहार विस ने बनाया था संविधान

तख्त का प्रबंधन करने के लिए बिहार राज्य विधानसभा ने संविधान बनाया था और इसमें पांच निर्वाचन क्षेत्र रखे गए। तीन निर्वाचन क्षेत्र पटना एवं पटना सिटी तथा चौथा निर्वाचन क्षेत्र उत्तरी बिहार एवं पांचवा निर्वाचन क्षेत्र दक्षिणी बिहार अर्थात गंगा नदी का दक्षिणी इलाका बनाया गया।दक्षिण बिहार अर्थात सासाराम भागलपुर जमालपुर नालंदा नवादा आदि में 15 गुरुद्वारे हैं और तकरीबन 125 से ज्यादा गुरुद्वारे एवं सिख संस्थाएं धार्मिक एवं सामाजिक क्षेत्रों में काम कर रही हैं।यहां बोकारो के जोगिंदर सिंह जोगी अध्यक्ष तो जमशेदपुर के सरदार शैलेंद्र सिंह कार्यकारी अध्यक्ष तथा वर्तमान में सरदार इंद्रजीत सिंह महासचिव की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इंदरजीत सिंह एवं दिल्ली के धाकड़ अकाली नेता अवतार सिंह हित और उत्तर बिहार के लखविंदर सिंह तथा पटना सिटी के खनूजा ने कमिटी चलाई है। उससे पटना के स्थानीय सिख नाखुश रहे हैं।

दिल्ली दरबार एवं बादल परिवार तक आसान पहुंच के कारण हित के खिलाफ कोई कुछ कर नहीं सका परंतु अब उनके निधन के बाद पटना के सिखों में एक तरह से ठान लिया है की बाहरी लोगों को कमेटी में किसी भी हाल में काबिज नहीं होने देना है। बोर्ड का तर्क है कि झारखंड 2000 में ही बिहार से अलग हो चुका है और हिस्सेदारी क्यों दी जाय। महासचिव इंदरजीत सिंह कहते हैं कि चुनावी प्रक्रिया चल रही है और इस बार दक्षिण बिहार सीट से झारखंड को हटाना मुमकिन नहीं है। लेकिन देखना होगा कि कानून किस तरह से अपना काम करता है।

सेंट्रल फॉर एकेडमिक डेवलपमेंट के तत्वाधान में व्याख्यान का आयोजन

जब-जब मानवीय मूल्यों की हानि होती है इतिहास लोगों को जगाता है : डॉ इंद्रसेन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : करीम सिटी कॉलेज की साहित्यिक तथा वैचारिक संस्था सेंट्रल फॉर एकेडमिक डेवलोपमेंट के तत्वाधान में मंगलवार को व्याख्यान का आयोजन हुआ। इसका विषय इतिहासः यथार्थ का चित्रण था। व्याख्यान करीम सिटी कॉलेज के इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ इन्द्रसेन सिंह ने प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोग। ● फोटोन न्यूज

कार्यक्रम कॉलेज प्राचार्य डॉ मोहम्मद रेयाज की अध्यक्षता में फैकल्टी स्टडी में आयोजित हुआ। इस व्याख्यान सभा में कला, विज्ञान एवं वाणिज्य तीनों संकायओ के विभागाध्यक्षों तथा प्राध्याप शामिल हुए। सबसे पहले 'कैड' की प्रभारी प्राध्यापिका डॉ संध्या सिन्हा ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया तथा निर्धारित विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इतिहास वर्तमान का धरातल होता है तथा भविष्य की ओर निर्देशन करता है।

मुख्य वक्ता डॉ इन्द्रसेन सिंह ने अपने वक्तव्य में बताया कि जब जब मानवीय मूल्यों की हानि होती है इतिहास लोगों को जगाता और सच को सच कहने का काम करता है, वर्तमान के संदर्भ में अतीत की बात करता है, इतिहास वर्तमान की बात करता है लेकिन अतीत के हवाले से करता है तथा मानव जीवन का भविष्य बुनता है। इतिहास समाज का दिग्दर्शक और सजग निर्देशक होता है।

मुहर्रम 2023 पर विधि व्यवस्था बनाये रखने को लेकर प्रशासन की शांति समिति के साथ बैठक

असामाजिक तत्वों एवं सोशल मीडिया पर रहेगी कड़ी नजर, जुलूस के रूट में बदलाव की अनुमति नहीं

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : मुहर्रम के अवसर पर शांति एवं विधि व्यवस्था के संधारण को लेकर सिदगोड़ा टाउन, हॉल में शांति समिति सदस्यों के साथ जिला प्रशासन ने मंगलवार को बैठक की। इसमें विभिन्न थाना क्षेत्रों में संपन्न शांति समिति बैठकों के फीडबैक पर चर्चा की गई। वहीं विभिन्न मुहर्रम समिति के लाइसेंसधारियों द्वारा पेयजल, बिजली तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की मांग एवं समस्याओं को सहानूभूतिपूर्वक सुनते हुए उचित कार्रवाई को लेकर आश्वस्त किया गया।

शांति समिति की बैठक में उपस्थित लोग। ● फोटोन न्यूज

सिटी एसपी के विजय शंकर, एसडीएम धालभूम पीयूष सिन्हा, एएसपी सुमित अग्रवाल, अपर उपायुक्त जयदीप तिग्गा, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर दीपू कुमार, एलआरडीसी रविन्द्र गागराई, एसडीएम घाटशिला सत्यवीर रजक, जिला स्तरीय विभिन्न विभागीय पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, थाना प्रभारी मौजूद रहे। प्रशासन के वरीय पदाधिकारियों द्वारा सभी समितियों को निदेशित किया गया कि जुलूस मार्ग का विचलन किसी भी प्रकार से नहीं करें, जिस मार्ग से जुलूस निकलता रहा है उसी से निकालेंगे। प्रशासन एवं पुलिस के पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जिस मार्ग से मुहर्रम का जुलूस निकाला जाएगा, उसका पूर्व में सत्यापन कर लें। जिले में शांति एवं विधि व्यवस्था बनाये रखने हेतु पर्याप्त संख्या में दण्डाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी, पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति रहेगी ।

भ्रामक सूचना की जानकारी प्रशासन को दें

सोशल मीडिया पर यदि किसी तरह की झूठी खबर या अफवाह फैलाई जाती है तो अविलंब इसकी सूचना नजदीकी थाना या प्रशासनिक पदाधिकारियों को देने की अपील की गई। संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी साथ ही सोशल मीडिया पर विशेष टीम नजर रखेगी ताकि किसी भी प्रकार से सामाजिक सौहार्द्र के वातावरण को कोई शरारती तत्व बिगाड़ नहीं पायें । बाइकर्स गैंग तथा नशापान कर हुड़दंग मचाने वालों के विरूद्ध भी सख्ती का निर्देश दिया गया है।

SINGER AJIT AMAN की नई वीडियो एलबम हरियर...हरियर चूड़ी का पोस्टर जारी

अजीत के साथ लिसा वर्मा की जोड़ी मचायेगी धमाल

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : गायकी की दुनिया में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहे गायक अजीत अमन एक के बाद एक नया वीडियो एलबम बना रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को एक नया सावन का बोलबम गीत ह्यहरियर...हरियर चूड़ीह्न का पोस्टर सोनारी स्थित भूतनाथ मन्दिर में रिलीज किया गया। इस अवसर पर कई कलाकार उपस्थित थे। इस वीडियो एलबम के निमार्ता अवनीश श्रीवास्तव (नेहिश) और निशांत कुमार (संगीतास) है। वहीं इसके निर्देशक अमित राज और गीतकार अनिल पुजारी है। इस वीडियो एलबम में गायक अजीत अमन के साथ कई फिल्मों व वीडियो में काम कर चुकी मॉडल लिसा वर्मा

। ● फोटोन न्यूज

वीडियो में काम करने वाले कलाकार

आपको बता दें कि इस गीत हरियर...हरियर चूड़ी को अजीत अमन ने गाया है। गाने के म्यूजिक वीडियो में अजीत अमन के साथ लिसा वर्मा नजर आयेगी। संगीतकार युवराज अनुभव और गीतकार अनिल पुजारी हैं। निर्देशक अमित राज, डीओपी सत्यम तिवारी है। स्टोरी अमित तिवारी, रिकॉर्डिंग टाटा नगर के एमएम स्टूडियो में हुआ है। रिकॉर्डिंग मिक्सिंग मास्ट्रिंग जितेंद्र कुमार ने किया है। वहीं सहयोग में शहर के जाने माने फिल्ममेक मेकर उदय साहू, अनिल पांडे, पुष्पेंद्र, मनोज पांडे, आलोक राज सिंह, मनोज यादव रणधीर सिंह, रानु भारती है।

दिखाई देगी।

अबतक एक दर्जन से अधिक वीडियो एलबम कर चुके अजीत अमन देश के महान उद्योगपति रतन टाटा, शहीद विपिन रावत और महेंद्र सिंह धोनी पर गीत गाकर सुर्खियां बटोर चुके है। बॉलीवुड के महान प्ले बैक सिंगर उदित नारायण को अपना आदर्श मानने वाले गायक अजीत अमन ने बताया कि भगवान शिव का महीना सावन की खुमारी शिव भक्तों पर खूब देखने को मिल रही है। चारों तरफ कांवरिया से लेकर शिवभक्त झूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका गाया गीत लोगों को खूब पसंद आयेगा। हरियर...हरियर चूड़ी वीडियो को यूट्यूब के अजीत अमन एंटरटेनमेंट पर चौथे सोमवारी के पहले रविवार को लांच किया जायेगा। अजीत अमन ने बताया कि भगवान भोले नाथ की भक्ति में जो मजा है वह कहीं और नहीं। उन्होंने बताया कि यह गीत भोलेनाथ के भक्तों को समर्पित है। उन्होंने कहा कि इस गाने में देवघर मेला का वर्णन है। इस वीडियो में एक साली अपने जीजा से देवघर मेला घुमाने की जिद्द करती है। वीडियो में इसे शानदार तरीके से फिल्माया गया है।

लूट मामले में फरार चल रहा आरोपी गिरफ्तार, गया जेल

PHOTON NEWS CHAIBASA : लंबे समय से फरार चल रहे लूट कांड के सजायाफ्ता फरार वारंटी को सदर पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। सदर थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सात साल से चाईबासा के पुलहातु निवासी बप्पी तिर्की उर्फ बप्पी फरार चल रहा था। उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत करने के पश्चात मंडलकारा चाईबासा भेज दिया गया है। बप्पी तिर्की ने वर्ष 2014 में इंजीनियरिंग कॉलेज झिंकपानी के पास आदित्यपुर के एक व्यक्ति से बाइक, मोबाइल एवं रुपये लूट की घटना को अंजाम दिया था। इस मामले में झिंकपानी थाना में एक मामला दर्ज किया गया था, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसी कांड में न्यायालय ने बप्पी को सजा सुनाई थी। न्यायालय से जमानत मिलने के बाद से वह फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी हेतु न्यायालय से वारंट निर्गत था।

गिरफ्तारी की जानकारी देते थाना प्रभारी। ● फोटोन न्यूज

चर्चा के लिए हंगामा

संसद में गतिरोध का सोमवार को भी जारी रहना दुखद व निराशाजनक है। सत्ता पक्ष संसद की कार्यवाही न चलने के लिए विपक्ष को और विपक्ष लगातार सत्ता पक्ष को निशाने पर लिए हुए है। चुनावी छाया संसद पर साफ मंडराने लगी है। विपक्ष नियम 267 के तहत चर्चा और प्रधानमंत्री के जवाब की मांग कर रहा है, जबकि सत्ता पक्ष का कहना है कि विपक्ष संसद में चर्चा नहीं चाहता है। राज्यसभा में तो हंगामे की वजह से आम आदमी पार्टी के सदस्य संजय सिंह को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है। जाहिर है, इससे सत्ता पक्ष के कड़े रुख का संदेश विपक्षी दलों के बीच गया है और अब विपक्षी दल पहले की तुलना में ज्यादा आक्रामक हो जाएं, तो आश्चर्य नहीं। हालात सियासत के लिए तो मुफीद हैं, मगर संसद के लिए ठीक संकेत नहीं हैं। संसद में कामकाज जरूरी है, कार्यवाही न चलने से परेशानी हो रही है और अगर कार्यवाही सामान्य ढंग से नहीं चलेगी, तो परेशानियां बढ़ती ही जाएंगी। देश की सियासत को दिशा देने वाले बड़े नेताओं को सोचना पड़ेगा। सियासत के लिए बारह महीने हैं, पर संसद के लिए तीन से चार महीने ही होते हैं। इन महीनों की विधायी मेहनत से ही देश आगे बढ़ता है। मणिपुर पर चर्चा हो, इसे लेकर मोटे तौर पर दोनों पक्षों की सहमति है, तो दोनों पक्षों को इस सहमति को जमीनी स्तर पर साकार भी करना चाहिए। विपक्ष ने अगर सीधे प्रधानमंत्री को निशाने पर ले रखा है, अगर उसका हठ केवल प्रधानमंत्री का जवाब सुनने पर केंद्रित है, तो वाकई आने वाले दिनों में परेशानी बढ़ने वाली है। भाजपा कदापि नहीं चाहेगी कि प्रधानमंत्री सामने आकर जवाब दें और एकजुट विपक्ष की मांग पूरी हो। राजनीति में नाक का सवाल अक्सर बहुत बड़ा हो जाता है और इस चक्कर में सदन का काफी समय पहले भी खराब हुआ है। दोनों पक्षों को चर्चा का महत्व समझना होगा। इसमें कोई शक नहीं है कि चर्चा में दोनों ही पक्ष एक-दूसरे की कमियां गिनाते हैं। तर्क और तथ्य से सत्ता और विपक्ष के बीच एक संतुलन बनता है। तार्किक फैसले लेने में सुविधा होती है और देश भी साफ तौर पर समझ पाता है कि ज्यादा सही कौन है। आज गठबंधन की राजनीति के दौर में कोई भी दल ऐसा नहीं है, जिसे पूरा सही बता दिया जाए। हां, चर्चा से ज्यादा सही फैसले तक पहुंचना आसान हो जाता है और इसीलिए चर्चा जरूरी है। मणिपुर में प्रमुख समुदाय अभी बंटे हुए हैं और उनके बीच बढ़ रही दरार हर संवेदनशील भारतीय को चिंतित कर रही है। यह उचित नहीं कि कुकी का खुलेआम समर्थन किया जाए या मैतेई के पक्ष में नारे लगाए जाएं। चर्चा हो, तो इन दोनों समुदायों का दर्द सामने आएगा। हालांकि, अनेक नेता राजस्थान और छत्तीसगढ़ की घटनाओं पर भी चर्चा चाहते हैं। क्या मणिपुर के बहाने चर्चा को व्यापक करने में कोई नुकसान है? महिलाओं का शोषण कहां नहीं होता है? आदिवासियों की उपेक्षा कहां नहीं होती? अभी जरूरत कुकी या मैतेई के पक्ष में अलग-अलग सोचने की नहीं, बल्कि एक मणिपुरी या आम भारतीय के रूप में सोचना चाहिए।

गड़े मुर्दे न उखाड़ें

आखिर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद में आर्कियॉलजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) की ओर से करवाए जा रहे सर्वे पर दो दिनों के लिए रोक लगा दी। रोक सॉलिसिटर जनरल के इस आश्वासन के बावजूद लगाई गई कि सर्वे के तहत अभी सिर्फ फोटो और नाप लेने का ही काम किया जा रहा है। यह मामला मस्जिद समिति सुप्रीम कोर्ट के सामने ले गई थी। उससे पहले जिला अदालत के फैसले के बाद एएसआई ने मस्जिद में सर्वे का काम शुरू कर दिया था। यह सही है कि वाराणसी अदालत ने एएसआई को सर्वे की इजाजत दे दी थी, लेकिन इसके बाद सर्वे शुरू करने में जिस तरह की तेजी दिखाई गई वह हैरान करने वाली है। शुक्रवार को जिला अदालत का फैसला आया और शनिवार, रविवार की छुट्टी के बाद सोमवार सुबह सात बजे से ही सर्वे की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। मस्जिद समिति की इस गुजारिश को भी अनसुना कर दिया गया कि कम से कम एक दिन सर्वे की कार्रवाई टाल दी जाए क्योंकि वह इस फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती देना चाहती है। अब सुप्रीम कोर्ट की व्यवस्था के मुताबिक जिला अदालत के इस फैसले के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील की जाएगी जो इस पर विचार करेगा कि मस्जिद में सर्वे करवाया जाना चाहिए या नहीं। जब कोई भी मामला अदालत पहुंचता है तो संवैधानिक और कानूनी प्रावधानों की रोशनी में उस पर विचार करके वह कोई फैसला देती है, जिसका हर हाल में सम्मान किया जाना चाहिए। लेकिन एक देश और समाज के रूप में हमें अपनी प्रायॉरिटी तय करने का न केवल अधिकार है बल्कि अपने विकास की दशा और दिशा तय करने के लिहाज से यह एक अहम जिम्मेदारी भी है। आजादी के बाद से ही विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा अपना देश इस सिलसिले को बनाए रखे और आने वाले दिनों में विकास की रफ्तार को यथासंभव तेज करते हुए दुनिया के अग्रणी देशों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलता रहे, इसके लिए जरूरी है कि वह अपनी प्रायॉरिटी न बिगड़ने दे। किसी भी आगे बढ़ते देश के लिए जरूरी होता है कि वह गड़े मुर्दे उखाड़ने और अतीत के प्रेतों से उलझने में अपनी ऊर्जा लगाने के बजाय भविष्य की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित रखे और अतीत के अपने अनुभव का इस्तेमाल उन चुनौतियों से निपटने में ही करे।

सबसे बड़ा सवाल, एआई क्या बला...

ANALYSIS

मीनाक्षी दीक्षित

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का आरम्भ 1950 के दशक में हुआ था। इसका जनक जॉन मैकार्थी को माना जाता है। उनके अनुसार एआई बुद्धिमान मशीनों, विशेष रूप से बुद्धिमान कंप्यूटर प्रोग्राम बनाने का विज्ञान और अभियांत्रिकी है। अर्थात यह मशीनों में विकसित और मशीनों द्वारा उपयोग में लाई जाने वाली अथवा मशीनों द्वारा प्रदर्शित की जाने वाली बुद्धि है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंप्यूटर द्वारा नियंत्रित रोबोट या फिर मनुष्य की तरह बौद्धिक रूप से सोचने वाला सॉफ्टवेयर बनाने का एक तरीका है जो यह अध्ययन करता है कि मानव मस्तिष्क कैसे सोचता है और समस्या को हल करते समय कैसे सीखता है, कैसे निर्णय लेता है और कैसे काम करता है? आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वाले सिस्टम ने 1997 में शतरंज के सार्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक गैरी कास्परोव को खेल में हरा दिया था। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर विशेषज्ञ 'टेक्नोलॉजिकल सिंगुलैरिटी' यानी तकनीकी एकलता जैसी स्थिति बनने का संकेत करते हैं। इसका तात्पर्य है भविष्य में ऐसी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की रचना की जाएगी, जो मनुष्यों के मस्तिष्क से अधिक तीक्ष्ण होगी और यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता समस्याओं के समाधान बहुत तीव्रता से कर सकेगी, जो कि मनुष्य की क्षमता से परे है। अनुमान है कि 2045 तक मशीनें स्वयं सीखने और स्वयं को सुधारने में सक्षम हो जाएंगी और इतनी तेज गति से सोचने, समझने और काम करने लगेंगी कि मानव विकास का पथ हमेशा के लिये बदल जाएगा।

आजकल जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में एआई का उपयोग किये जाने की चर्चा हो रही है। इसलिए स्वाभाविक रूप से हम सभी के मन में प्रश्न उठता है कि ये एआई या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या कृत्रिम बुद्धि वास्तव में है क्या और बुद्धि कृत्रिम कैसे हो सकती है? हिंदी के कृत्रिम शब्द का अर्थ है बनावटी यानी जो मूल नहीं है नकल है। यही अर्थ आंग्ल भाषा के शब्द आर्टिफिशियल का भी है। अतः स्पष्ट है कि कृत्रिम रूप से विकसित की गई बौद्धिक क्षमता ही कृत्रिम बुद्धि अथवा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस है, जिसे संक्षेप में एआई कहते हैं। एआई के माध्यम से कंप्यूटर सिस्टम या रोबोटिक सिस्टम तैयार किया जाता है, जिसे उन्हीं तर्कों के आधार पर चलाने का प्रयास किया जाता है जिनके आधार पर मानव मस्तिष्क काम करता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का आरम्भ 1950 के दशक में हुआ था। इसका जनक जॉन मैकार्थी को माना जाता है। उनके अनुसार एआई बुद्धिमान मशीनों, विशेष रूप से बुद्धिमान कंप्यूटर प्रोग्राम बनाने का विज्ञान और अभियांत्रिकी है। अर्थात यह मशीनों में विकसित और मशीनों द्वारा उपयोग में लाई जाने वाली अथवा मशीनों द्वारा प्रदर्शित की जाने वाली बुद्धि है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंप्यूटर द्वारा नियंत्रित रोबोट या फिर मनुष्य की तरह बौद्धिक रूप से सोचने वाला सॉफ्टवेयर बनाने का एक तरीका है जो यह अध्ययन करता है कि मानव मस्तिष्क कैसे सोचता है और समस्या को हल करते समय कैसे सीखता है, कैसे निर्णय लेता है और कैसे काम करता है? आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वाले सिस्टम ने 1997 में शतरंज के सार्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक गैरी कास्परोव को खेल में हरा दिया था। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर विशेषज्ञ 'टेक्नोलॉजिकल सिंगुलैरिटी' यानी तकनीकी एकलता जैसी स्थिति बनने का संकेत करते हैं। इसका तात्पर्य है भविष्य में ऐसी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की रचना की जाएगी, जो मनुष्यों के मस्तिष्क से अधिक तीक्ष्ण होगी और यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता समस्याओं के समाधान बहुत तीव्रता से कर सकेगी, जो कि मनुष्य की क्षमता से परे है। अनुमान है कि 2045 तक मशीनें स्वयं सीखने और स्वयं को सुधारने में सक्षम हो जाएंगी और इतनी तेज गति से सोचने, समझने और काम करने लगेंगी कि मानव विकास का पथ हमेशा के लिये बदल जाएगा। भारत में केंद्र में भाजपा की सरकार आने के बाद एआई के कार्य को गति मिली। वर्ष 2018-19 के बजट भाषण के दौरान तत्कालीन वित्तमंत्री अरुण जेटली ने यह उल्लेख किया था कि नीति आयोग जल्दी ही राष्ट्रीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्यक्रम (एनएआईपी) की रूपरेखा तैयार करेगा। राष्ट्रीय स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कार्यक्रम की रूपरेखा बनाने के लिये नीति आयोग के उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है। वर्तमान बजट में सरकार ने फिफ्थ जनरेशन टेक्नोलॉजी स्टार्टअप के लिये 480 मिलियन डॉलर का प्रावधान किया है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग इंटरनेट ऑफ थिंग्स, थ्री-डी प्रिंटिंग और ब्लॉक चेन शामिल हैं। इसके अलावा सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग, बिग डेटा इंटेलिजेंस, रियल टाइम डाटा और क्वांटम कम्युनिकेशन के क्षेत्र में शोध, प्रशिक्षण, मानव संसाधन और कौशल विकास को बढ़ावा देने के योजना बना रही है। पिछले वर्ष अक्टूबर में केंद्र ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग करने के लिये सात सूत्री रणनीति तैयार की थी। यह रणनीति भारत की सामरिक योजना का आधार तैयार करेगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भारत में अभी शैशवावस्था में है और देश में कई ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें इसे लेकर प्रयोग किये जा सकते हैं। देश के विकास में इसकी संभावनाओं को देखते हुए उद्योग जगत ने सरकार को सुझाव दिया है कि वह उन क्षेत्रों की पहचान करे जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग लाभकारी हो सकता है, जबकि सरकार ने उद्योग जगत से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल के लिये एक मॉडल बनाने में सहयोग करने की अपील की है। केंद्र सरकार सुशासन की दृष्टि से सभी संभव स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रयोग के लिए आगे बढ़ रही है । आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रमुख अनुप्रयोगों में से एक है एआई परिचय। यह विभिन्न प्रकार के पहचान पत्रों के मिलान तथा सत्यापन में सहयोगी है। एक अन्य अनुप्रयोग एआई वाणी है। यह मेघराज क्लाउड के माध्यम से सेवाओं को एक मंच पर लाकर चैटबॉट्स, वॉयस बॉट और ट्रान्सलिटरेशन जैसी सेवाएं प्रदान करता है। एनआईसी ने 20 चैटबॉट जैसे ई-वे बिल, आरटीओ, कंज्यूमर फोरम, आई खेडुत, कोविड-19 आदि की सुविधा प्रदान की है। उनमें से कुछ विभिन्न मंत्रालयों/विभागों और राज्यों में विभिन्न योजनाएं के लिए बहुभाषी और आठ द्विभाषी वॉयस सपोर्ट सेवाएं जैसे पीएम-किसान, पीएम-कुसुम, आईवीएफआरटी आदि हैं। एनआईसी ने कुछ परियोजनाओं के लिए मॉडल की सुविधा प्रदान की है जैसे कि स्वच्छ भारत शहरी में स्वचालित टॉयलेट सीट के लिए स्वच्छता मोबाइल ऐप और जियो टैग्ड टॉयलेट इमेज में लाभार्थी का पता लगाना। इसी तरह के मोटर दुर्घटना दावा याचिका मामले के लिए संज्ञानात्मक खोज आदेश, निचली न्यायपालिका में ई-न्यायालय, पिछले अंकों के आधार पर कला, विज्ञान और वाणिज्य विषयों के लिए सीबीएसई बारहवीं कक्षा की परीक्षा में छूटे हुए छात्रों के लिए अंकों का आकलन। एआई की उपयोगिता को देखते हुए, प्रदेश के विकास के लिए प्रतिबद्ध तथा प्रदेश को एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने इस क्षेत्र के लिए लघु तथा दीर्घकालीन योजना बनाने पर बल देते हुए आगामी पांच वर्षों में प्रदेश की राजधानी लखनऊ को पहला एआई सिटी बनाने को कहा है। जिस तरह से कृत्रिम बुद्धि वाली मशीनों और उनकी कार्यक्षमता की चर्चा हो रही है, उसे सुनकर कई बार यह प्रश्न भी उठता है कि क्या मशीनें भविष्य में मानव कार्यबल का स्थान ले लेंगी? फिर मनुष्य जीवन कैसा हो जाएगा? इस क्षेत्र में कार्य कर रहे वैज्ञानिकों का मत है कि मशीनें कभी भी मानव मस्तिष्क का स्थान नहीं ले पाएंगी।

लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

नायकों को नमन

देश 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस की 24वीं वर्षगांठ मना रहा है। दरअसल भारतीय सेना ने 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी फौज को बुरी तरह धूल चटा दी थी। भारत-पाकिस्तान के बीच जम्मू-कश्मीर के कारगिल जिले में हुआ यह युद्ध 60 दिन तक चला था और पाकिस्तान फौज की करारी शिकस्त के बाद 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ था। पाकिस्तान पर भारत की इस जीत को याद करते हुए 26 जुलाई को ह्यकारगिल विजय दिवसह्ल के रूप में मनाया जाता है। पाकिस्तानी सैनिकों और भाड़े के आतंकवादियों को मारकर या खदेड़कर कारगिल की चोटियों पर कब्जा करने के लिए चलाए गए ह्यऑपरेशन विजयह्ल के तहत तमाम बाधाओं को पार करते हुए हमारे वीर जांबाजों ने उन्हें कारगिल से खदेड़कर दुर्गम चोटियों पर जीत का परचम लहराया था लेकिन देश को इसकी बहुत भारी कीमत भी चुकानी पड़ी थी। दरअसल इस युद्ध में भारत को विजय दिलाने में भारतीय सेना के सैकड़ों जवान शहीद हुए थे। कारगिल युद्ध में न केवल भारतीय सेना के 527 सैनिक शहीद हुए थे बल्कि दो महीने तक चले उस युद्ध के दौरान 453 आम नागरिक भी मारे गए थे। इसीलिए भारतीय सेना की उस विजय के बाद सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 26 जुलाई को भारतीय सेना के शौर्य दिवस के रूप में कारगिल विजय दिवस मनाए जाने का फैसला लिया गया। सही मायने में कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके बलिदान को सम्मान देने का दिन है और 26 जुलाई का दिन विशेष रूप से देश के इन्हीं वीर सपूतों को समर्पित है। देश के जन-जन तक कारगिल युद्ध के इन्हीं नायकों के शौर्य और पराक्रम की गाथा पहुंचाने के लिए ही यह दिवस मनाया जाता है। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार कारगिल युद्ध हुआ था, जब दोनों देश सीधे तौर पर सैन्य संघर्ष में शामिल हुए थे। कारगिल युद्ध भारतीय सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी आतंकवादियों की घुसपैठ का ही परिणाम था। उस भीषण युद्ध में वायु शक्ति, तोपखाने और पैदल सेना के संचालन का व्यापक उपयोग किया गया था। युद्ध की खास बात यह थी कि वह युद्ध काफी ऊंचाई पर लड़ा गया, जिसमें कुछ सैन्य चौकियां तो 18 हजार फुट से भी ज्यादा ऊंचाई पर स्थित थी। ऐसे में भारतीय सैनिकों के लिए वह लड़ाई बेहद चुनौतीपूर्ण थी लेकिन हमारे जांबाजों ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने प्राणों की आहुति देकर न केवल पाकिस्तान को उसकी असली औकात दिखाई बल्कि 700 से भी ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट भी उतारा। दुश्मन को रणनीतिक स्थानों से हटाने के लिए महत्वपूर्ण हवाई हमले करते हुए भारतीय वायुसेना ने उस युद्ध के दौरान बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारतीय सेना ने युद्ध के दौरान टोलोलिंग, टाइगर हिल, प्वाइंट 4875 सहित अन्य रणनीतिक चोटियों पर फिर से कब्जा कर लिया था। कारगिल युद्ध की शुरूआत 26 मई 1999 को भारतीय सेना के हवाई हमले के साथ हुई थी। दरअसल भारतीय सेना को 3 मई 1999 को कारगिल में स्थानीय चरवाहों द्वारा पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों के बारे में सतर्क किया गया था और उसके दो ही दिन बाद 5 मई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के कम से कम पांच जवानों को मार डाला था। उसके बाद 10 मई 1999 को भारतीय सेना द्वारा ह्यऑपरेशन विजयह्ल की शुरूआत की गई। उस दौरान कारगिल में पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना के गोला-बारूद भंडार को निशाना बनाया। 26 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों पर हवाई हमला किया। 27 मई को भारतीय वायुसेना का एक मिग-27 गिर गया, जिसमें चार क्रू सदस्यों की मौत हो गई लेकिन विमान से बाहर निकलने वाले पायलट को पाकिस्तानी सैनिकों ने युद्धबंदी के रूप में पकड़ लिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 31 मई 1999 को घोषणा की कि कारगिल में युद्ध जैसी स्थिति है, जिसके बाद अमेरिका, फ्रांस सहित कुछ देशों ने अगले ही दिन भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। भारतीय सेना ने 5 जून 1999 को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किए, जिनसे पूरी दुनिया के समक्ष पाकिस्तान की करतूत का खुलासा हुआ। भारतीय सेना ने 9 जून 1999 को कारगिल के बटालिक सेक्टर में दो महत्वपूर्ण ठिकानों पर कब्जा कर लिया। अगले ही दिन पाकिस्तान ने जाट रेजिमेंट के 6 सैनिकों के शव क्षत-विक्षत हालत में भारत को लौटाए। 13 जून 1999 को भारत ने युद्ध की दिशा बदलते हुए महत्वपूर्ण टोलोलिंग चोटी पर भी कब्जा कर लिया और प्रधानमंत्री वाजपेयी ने कारगिल का दौरा किया। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 15 जून 1999 को पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से पाकिस्तानी सैनिकों को पीछे हटाने का आग्रह किया लेकिन पाकिस्तान ने उस अपील को अनसुना कर दिया। 11 घंटे के भीषण संघर्ष के बाद भारतीय सेना ने 20 जून 1999 को टाइगर हिल के पास प्वाइंट 5060 और प्वाइंट 5100 पर भी पुनः कब्जा कर लिया। बिल क्लिंटन ने 5 जुलाई 1999 को नवाज शरीफ से मुलाकात की, इसके बाद पाकिस्तान ने कारगिल से पाकिस्तानी सैनिकों को हटाने की घोषणा की। 11 जुलाई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने पीछे हटना शुरू किया और भारतीय सेना ने बटालिक की प्रमुख चोटियों पर कब्जा कर लिया। भारतीय सेना ने 14 जुलाई 1999 को ह्यऑपरेशन विजयह्ल की सफलता की घोषणा की और 26 जुलाई 1999 को वीर 527 सैनिकों की शहादत के बाद कारगिल युद्ध समाप्त हुआ।

विभिन्न संस्कृतियों में संवाद का समय

कुछ छद्म पंथनिरपेक्षतावादी और प्रधानमंत्री मोदी के अंधविरोधी भारत में मुस्लिमों की स्थिति को लेकर दुष्प्रचार करते रहते हैं। ऐसे लोगों को बीते दिनों किसी और ने नहीं, बल्कि मुस्लिम वर्ल्ड लीग के महासचिव डा. मुहम्मद बिन अब्दुलकरीम अल ईसा ने आईना दिखाकर उनके दुष्प्रचार की हवा निकाल दी। विश्वविख्यात इस्लामिक विद्वान अल ईसा ने भारतीय लोकतंत्र, बहुलतावाद और भारतीय संविधान के आधारभूत मूल्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा कर दुनिया को भारत से सीखने की सलाह दी। चूंकि यह विश्व में मुस्लिमों का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था के मुखिया ने कहा है तो इसके गहरे निहितार्थ हैं। इससे भारत विरोधी ताकतों का वह कुत्सित अभियान नाकाम होगा, जिसमें वे पूरी दुनिया में भारत की गलत तस्वीर दिखाते हैं कि यहां मुस्लिमों के साथ अन्याय हो रहा है। अल ईसा की बातें असल में भारत में मुस्लिमों को प्राप्त स्वतंत्रता और देश के सभी नागरिकों विशेषकर अल्पसंख्यकों को मिलने वाले अवसरों एवं अधिकारों की वास्तविकता को दशार्ती हैं। अल ईसा इससे पहले सऊदी अरब में न्याय मंत्री रहे हैं। उन्हें इस्लाम की एक प्रामाणिक आवाज माना जाता है। वह इस्लामिक हलाल आगेर्नाइजेशन के अध्यक्ष भी हैं। वह इस्लाम को उदार बनाने, विभिन्न मान्यताओं के साथ संवाद करने और सौहार्द के हिमायती हैं। इस्लामिक जगत में अल ईसा की अहमियत को इसी तथ्य से समझा जा सकता है कि दो पवित्र मस्जिदों के संरक्षक सऊदी अरब के सुल्तान ने उन्हें जुलाई 2022 में हज के अवसर पर दिया जाने वाला संदेश देने के लिए चुना। उस संबोधन में अल ईसा ने संयम की सलाह देते हुए मुस्लिमों से मतभेद एवं शत्रुता भाव से बचने को कहा था। भारत दौरे पर अल ईसा ने कई संगठनों के साथ संवाद किया। यहां कई प्रख्यात हिंदू धार्मिक गुरुओं से भी उनकी गहन चर्चा हुई। उन्होंने भारत के प्रति विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक होने के नाते कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि भारतीय दर्शन में विश्व के समक्ष विद्यमान समस्याओं के समाधान की क्षमता है। हिंदू धर्म गुरुओं के साथ चर्चा में उन्होंने पवित्र कुरान को लेकर भी पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि ह्यविभिन्न धर्मगुरु अपने राजनीतिक एजेंडे की सुविधा के अनुसार ही कुरान की व्याख्या करते हैं, जिससे गलतफहमी, अविश्वास और नफरत का माहौल बनता है। वहीं, कुरान तो वास्तव में परस्पर सम्मान की बात करती है, लेकिन उसकी मौजूदा व्याख्या विविधता को प्रोत्साहन नहीं देती, जबकि विभिन्नता को मान्यता प्रदान करने से संस्कृतियों के बीच सुगम संबंध सुनिश्चित होते हैं। इसीलिए विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवाद समय की आवश्यकता है। अल ईसा की गतिविधियां सौहार्द बढ़ाने को लेकर उनके समर्पण को दशार्ती हैं। उन्होंने तीन वर्ष पहले पोलैंड स्थित एक यहूदी यातना शिविर का दौरा करने वाले प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। वहां उन्होंने एलान किया कि मुस्लिम वर्ल्ड लीग यहूदी समुदाय के साथ तालमेल और सौहार्द बनाने के लिए काम करेगी। इन दोनों समुदायों के बीच कायम राजनीतिक तल्खी को देखते हुए उनकी घोषणा उल्लेखनीय रही। उन्होंने अक्सर कहा है कि मुस्लिमों को उन विचारधाराओं से प्रभावित नहीं होना चाहिए, जो गैर-मुस्लिम राष्ट्रों के साथ उनके मेल-मिलाप में बाधक बनती हैं। उनका यह रुख-रवैया उन्हें शांति के वास्तविक दूत के रूप में स्थापित करता है। अल ईसा ने कहा कि हिंदू धर्मगुरुओं के साथ चर्चा और धार्मिक ग्रंथों के अध्ययन से शांति एवं सौहार्द को लेकर उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला है। वह वेदों एवं उपनिषदों के अध्ययन के लिए भी उत्सुक दिखे और उनके अरबी संस्करण की अनुपलब्धता का हवाला भी दिया। उनकी दृष्टि में इस्लामिक जगत को भारतीय दर्शन समझकर उसका लाभ उठाना चाहिए।

Social Media Corner

सच के हक में...

पुणे में आदरणीय मदनदास देवी जी के पार्थिव शरीर को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। मदनदास देवी जी का ऐसा व्यक्तित्व था कि वे जिससे भी मिलते थे, उसके जीवन में अपने उच्च सिद्धांतों से एक अमिट छाप छोड़ देते थे। श्री गुरुजी के आदर्शों पर चलकर उन्होंने 'युवा शक्ति' को 'राष्ट्रशक्ति' बनाने में अपना जीवन समर्पित कर दिया। विद्यार्थी परिषद को उन्होंने एक वटवृक्ष की तरह सींचा और उसके विस्तार में अहम योगदान दिया। उनके स्वर्गवास से करोड़ों कार्यकर्ता शोकाकुल हैं। देश और विचारधारा के लिए जीने वाले ऐसे निष्ठावान स्वयंसेवक को कोटि-कोटि नमन।

(गृह मंत्री अमित शाह के ट्विटर अकाउंट से)

यह किस प्रकार की तानाशाही और अतिवाद है कि अभय सिंह को जेल से बाहर न आने देने के लिए पूरी सरकार लगी है? किसी रामभक्त के लिए इतनी निर्दयता? स्पष्ट है कि जमशेदपुर पुलिस प्रशासन अपने आका के आदेश पर यह जुल्म-ज्यादती और अत्याचार कर रही है। मुख्यमंत्री और स्थानीय मंत्री याद रखिए कि आप अजातशत्रु नहीं हैं। सत्ता आज है कल नहीं होगी। आपका अहंकार-दंभ और प्रताड़ित करने की सनक, हमेशा के लिए मिट्टी में मिल जायेगा। बस समय की प्रतीक्षा करिये।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

I WANT TO SAY...

बरसात के दिनों में सर्पदंश के मामले बढ़ जाते हैं। स्वाभाविक है इनदिनों सांप के डसने की घटनाएं बढ़ गई हैं। चिंता की बात यह है कि आज भी लोग सर्पदंश के मामले में जागरूक नहीं हैं। दूसरी ओर अंधविश्वास, झाड़फूंक के चक्कर में कीमती जानें चली जा रही हैं। इनमें से ज्यादातर जानों को बचाया जा सकता है। अफसोस, ऐसा होता नजर नहीं आ रहा है। सबसे पहली आवश्यकता अंधविश्वास को दूर करने की है। यह समझने और समझाने की जरूरत है कि जानकारी ही बचाव है। हाल के दिनों में कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं जिनमें सर्पदंश के शिकार की इसलिए मौत हो गई क्योंकि समय रहते उसे समुचित उपचार उपलब्ध नहीं कराया जा सका। अंधविश्वास में पड़े लोग झाड़फूंक के चक्कर में पड़े रहे। कीमती समय गवां दिया। जहर फैलने से मौत हो गई। यहां यह समझने और समझाने की भी जरूत है कि ज्यादातर मामलों में लोग दहशत के चलते जान गवां बैठते हैं। यह जानना जरूरी है कि कौन से सांप जहरीले होते हैं आर किन सांपों में जहर नहीं होता। इस बात की जानकारी होगी जो लोग दहशत में जल्दी नहीं आएंगे। दूसरी ओर इस बात को लेकर जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है कि लोग झाड़फूंक के चक्कर में नहीं पड़ें और जल्द से जल्द समीप के अस्पताल में पहुंचाए जाएं। इन सबके अलावा स्वास्थ्य विभाग को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि अस्पतालों में एंटी स्नेक वेनम पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहे। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में जागरूकता अभियान भी चलाया जाए। इन सारी व्यवस्थाओं के बाद ही सर्पदंश से मौतों के मामलों को रोका जा सकेगा।

जुल्फिकार खान, जिला संगठन सचिव, झामुमो।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

BRIEF NEWS

सुंदरगढ़ में मार्शल आर्ट चैंपियनशिप शुरू, 135 प्रतिभागी हुए शामिल

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ जिला क्वान(मार्शल आर्ट) की दो चैंपियनशिप मंगलवार को शुरू हुई। बणई इंडोर स्टेडियम में आयोजित चैंपियनशिप में सुंदरगढ़ जिले के विभिन्न हिस्सों से 135 प्रतियोगियों ने भाग लिया। चैंपियनशिप में उपजिलापाल सुरंजन कुमार साहू मुख्य अतिथि और बणई विधायक लक्ष्मण मुंडा विशिष्ट अतिथि थे। सिमरॉक और सेंट जेवियर्स स्कूल के प्रबंध निदेशक राजू प्रसेठ और क्वान की डू एसोसिएशन के अधिकारी विशाल कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। ओडिशा के रेफरी कमीशन देवेन्द्र प्रधान, सुरेश तांती और अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर चैंपियनशिप का उद्घाटन किया। इस चैंपियनशिप में क्वान प्रतियोगियों को मार्शल आर्ट के बारे में बताया कि मार्शल आर्ट सभी को सीखना जरूरी है। प्रतिभाशाली छात्रों को मेडल और सर्टिफिकेट दिए। समापन का संचालन सुंदरगढ़ जिला क्वान एसोसिएशन के अध्यक्ष व प्रमुख विश्वजीत बारिक ने किया।

राउरकेला सेक्टर 19 के डाकघर में चोरी

ROURKELA : शहर के सेक्टर 19 नंबर का डाकघर चोरों के लिए सॉफ्ट टारगेट बन गया है। एक साल पूर्व भी डाक घर का दरवाजा तोड़कर चोरी हुई थी। रविवार की रात चोरों ने डाकघर में घुसकर चोरी का प्रयास किया। इस बार चोर ने एसी हटाकर डाकघर में घुस गए। पोस्ट ऑफिस के अधिकारियों पुलिस को इसकी जानकारी दी। सेक्टर नंबर 19 थाना पुलिस घटना की जांच कर रही है।हालांकि, इस डाक घर में अक्सर चोरी की कोशिशें होती रहती हैं, इसके बावजूद क सुरक्षा व्यवस्था पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है।

राउरकेला में ऑटो चालकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

ROURKELA : शहर में ऑटो चालकों के लिए राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा जागरूकता शिविर मंगलवार को आयोजित किया गया है। ऑटो चालकों के लिए राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा जागरूकता शिविर आज सेक्टर-7 स्थित यूनियन मीटिंग हॉल में आयोजित किया गया है। जागरूकता शिविर का आयोजन भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सहयोग से स्वयंसेवी संस्था आदर्श एवं राज्य परिवहन प्राधिकरण द्वारा किया गया था। कार्यक्रम में राउरकेला आरटीओ कार्यालय के जूनियर एमवीआई सौरभ मुखिया शामिल हुए। उत्कल मेल के प्रधान संपादक पीतावास मिश्र, यूनियन के जनरल संपादक और सुंदरगढ़ ऑटो कर्मचारी संघ के अध्यक्ष बैद्यनाथ दास, एडवोकेट गरिमा पत्री ढोलकिया भी शामिल हुई। उपस्थित अतिथियों ने सड़क सुरक्षा के नियम का पालन करने और वाहन चलाते समय नशे से दूर रहने की सलाह दी है। बासु बनर्जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

उद्घाटन के एक सप्ताह बाद भी नहीं खुला मछली बाजार

CHAIBASA : कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के द्वारा शहर के मछुआरों को एक केंद्रीकृत जगह पर एकत्र होकर अपने उत्पाद को बेचने के लिए मंगला हाट में मछली बाजार का निर्माण कराया गया है। पिछले दिनों विभागीय मंत्री बादल पत्रलेख, बाल विकास मंत्री जोबा मांझी सहित स्थानीय विधायकों की उपस्थिति में इस मछली बाजार का लोकार्पण किया गया था। लेकिन उद्घाटन के एक सप्ताह बाद भी बाजार बंद रहता है। इसका कारण है जगह को लेकर बैठने की मारामारी है।

JMM जिला समिति ने किया जिला परिषद के सभागार में सम्मान समारोह का आयोजन

नवगठित संगठनों के जिला व नगर समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों का किया अभिनंदन

PHOTON NEWS CHAIBASA : झामुमो प० सिंहभूम जिला समिति ने मंगलवार को जिला परिषद के सभागार में अभिनन्दन समारोह आयोजित कर जिला में नवगठित वर्ग संगठनों के जिला पदाधिकारियों और चक्रधरपुर नगर समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों का स्वागत और अभिनंदन किया। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय समिति के सदस्य विधायक दीपक बिरुवा ने विभिन्न वर्ग संगठनों के जिला पदाधिकारियों को माला पहनाकर उनका स्वागत किया।

समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने जमीनी स्तर पर सभी इकाइयों एवं वर्ग संगठनों की सक्रियता और पार्टी संगठन की मजबूती पर विशेष बल दिया । उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर संगठन की मजबूती और स्थानीय जनमुद्दों को लेकर आन्दोलनात्मक गतिविधियों से ही हम 2024 के लक्ष्य को पूरा कर सकते हैं। सेल प्रबंधन द्वारा किरीबुरू मेघाहातुबुरु के हटिंग एरिया सहित सेल के लीज एरिया में वर्षों से बसे हजारों लोगों को उजाड़ने का प्रयास करने पर गहरा चिंता व्यक्त करते हुए निर्णय लिया गया कि किरीबुरू मेघाहातुबुरु समेत जिला के अन्य हिस्सों में जहां कहीं भी इस तरह की समस्याएं हैं, उसके लिए जिला अध्यक्ष सह विधायक के नेतृत्व में जिला समिति का एक प्रतिनिधिमंडल उन क्षेत्रों का दौरा कर समस्या का हल ढूंढ़ने का प्रयास करेगा। किसी भी कीमत पर वर्षों से बसे लोगों को उजड़ने नहीं दिया जाएगा। जरुरत पड़ने पर सेल के खिलाफ जोरदार आंदोलन करने के लिए भी तैयार है।

नवगठित पदाधिकारियों व सदस्यों का अभिनंदन झामुमो कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

जिला अध्यक्ष सह विधायक सुखराम उरांव और विधायक निरल पुरती शारीरिक अस्वस्थता के कारण कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो पाए। जिला अध्यक्ष की अनुपस्थिति में वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष इकबाल अहमद ने अध्यक्षता किया और संचालन जिला सचिव सोनाराम देवगम ने किया।

कार्यक्रम में विधायक दीपक बिरुवा, जिला उपाध्यक्ष इकबाल अहमद, जिला सचिव सोनाराम देवगम, जिला परिषद अध्यक्षा लक्ष्मी सुरेन, जिला उपाध्यक्ष सह जिला बीससूत्री के उपाध्यक्ष दीपक कुमार प्रधान, जिला उपाध्यक्ष राहुल आदित्य, जिला संगठन सचिव सह जिला परिषद के उपाध्यक्ष रंजीत यादव, जिला संगठन सचिव चम्बरु जामुदा, जिला संयुक्त सचिव इजहार करीम राही, सुनील कुमार सिरका, प्रदीप महतो, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंकु, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सोमबारी बहान्दा, छात्र मोर्चा जिलाध्यक्ष सनातन पिंगुवा उर्फ इकिर, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रेम मुंडरी, बुद्धिजीवी मोर्चा जिलाध्यक्ष कैसर परवेज, क्रीड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष अर्जुन बानरा, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष निसार हुसैन उर्फ डोगर, व्यवसायी मोर्चा जिलाध्यक्ष दिनेश प्रसाद गुप्ता, पीरु हेम्बरोम, सुमित्रा सिंकु, पिंकी जोंको, मंजीत हांसदा, कालीचरण सावैंया, जयसिंह पुरती, अजीत माझी, अकबर खान, दिनेश जेना, हरिश पुरती, शेख शहाबुद्दीन, राहुल तिवारी, एनामुल हक, शिवचरण मछुवा, रिमु बहादुर थापा, सोहेल अहमद, विश्वनाथ बाड़ा, चुमन लाल लागुरी, दुर्गा चरण देवगम, जितेन्द्र पुरती,लखन हेम्बरोम, संजय हासदा, अनिल भुइंया, ताराकान्त सिजुई, रौशन कुमार, राजू ठाकुर, मनोज लागुरी, हिमांशु कुमार राय, मो० फिरोज, अमित कुमार पाटपिंगुवा समेत कई अन्य पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राष्ट्रपति से भूमि सम्मान मिलने पर डीसी को दी गई बधाई

PHOTON NEWS CHAIBASA : सदर प्रखंड के कमारहातु मत्स्यजीवी सहयोग समिति ने मंगलवार को समिति के संरक्षक मतकमहातु पंचायत मुखिया जुलियाना देवगम की अगुवाई में उपायुक्त अनन्य मित्तल से मुलाकात की। उपायुक्त को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा सम्मानित किए जाने पर समिति ने उन्हें बुके देकर व मिठाई खिलाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान जुलियाना देवगम ने कहा किसम्मान मिलने से पुरे जिले का मान बढ़ा है। इससे सबों को गर्व महसूस हो रही है। आने वाले दिनों में जिला और भी बेहतर प्रदर्शन करे इसे लेकर हर क्षेत्र के लोगों को प्रयास करना होगा। राष्ट्रपति से पुरस्कार प्राप्त होना गर्व की बात है। बधाई देने वालों में समिति के अध्यक्ष सुरजा देवगम, पंसस दीनबंधु देवगम, सोमय देवगम, अभय देवगम, मोटाय देवगम, नारायण देवगम आदि शामिल थे। इस अवसर पर उपायुक्त ने समिति को बताया कि मछली चारा सहज उपलब्ध कराने के लिए जलाशय परिसर में बहुत जल्द फीडिंग मशीन स्थापित किया जाएगा।

डीसी को पुष्पगुच्छ भेंट करती समिति के सदस्य

पुलिस ने जुलूस मार्ग का किया निरीक्षण

PHOTON NEWS CHAIBASA : चाईबासा के विभिन्न स्थानों पर जुलूस मार्ग का केंद्रीय मोहर्रम कमेटी के सदस्यों व अतिरिक्त जुलूस लाइसेंस धारकों के साथ पुलिस पदाधिकारियों ने मंगलवार को निरीक्षण किया। मोहर्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर सभी कमेटी के सदस्यों से अपील की गई। पुलिस पदाधिकारियों ने कहा कि सोशल मीडिया में किसी तरह की भड़काऊ खबर प्रकाशित नहीं की जाए। जिसकी निगरानी की जा रही है। पुलिस पदाधिकारिओं ने जुलूस मार्ग पर बल प्रतिनियुक्ति के लिए संवेदनशील पॉइंट को चिन्हित किया। लाइटिंग एवं साफ-सफाई का मुआयना किया।

निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी सदर सचिन्द्र बड़ाईक, दिलीप खलखो, पुलिस पदाधिकारी सदर, कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद चाईबासा, पुलिस निरीक्षक सदर अंचल खुर्शीद आलम, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी सदर प्रवीण कुमार शामिल थे।

इस्पात जनरल अस्पताल के 25 कर्मचारियों को मिला पुरस्कार

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला इस्पात संयंत्र के इस्पात जनरल अस्पताल के पच्चीस कर्मचारियों को उनके संबंधित क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन के लिए विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मंगलवार को नए सम्मेलन कक्ष में आयोजित एक समारोह में कार्यपालक निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा?) डॉ. बी.के. होता ने मुख्य चिकित्सा अधि?कारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा?) डॉ. एन.पी. साहू, मुख्य चिकित्सा अधि?कारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा?) डॉ. एल.के. विश्वाल, मुख्य चिकित्सा अधि?कारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा?) डॉ. जयंत आचार्य अन्य वरिष्ठ डॉक्टरों और कर्मचारियों की उपस्थि?ति में पुरस्कार प्रदान किया।

नर्सिंग सिस्टर्स, अस्पताल तकनीशियन, अस्पताल सहायक, लैब तकनीशियन, अस्पताल परिचारक, फार्मासिस्ट, स्टोर कीपर, बॉयलर ऑपरेटर और रसोइया शामिल थे, जिनका बहुमूल्य योगदान स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने में मदद करता है।

इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. होता ने अस्पताल को कुशलतापूर्वक चलाने के लिए पर्दे के पीछे से काम करने वाले प्रत्येक सहायक कर्मचारी के योगदान की सराहना की।

पुरस्कार ग्रहण करते कर्मचारी। ● फोटोन न्यूज

पशुपालन के माध्यम से आय बढ़ा रहे ग्रामीण

CHAIBASA : जिले के ग्रामीणों की अर्थव्यवस्था खेती बारी के अलावा पशुपालन पर ज्यादा निर्भर करता है। इसमें मुर्गा-मुर्गी, बत्तख सहित अनेक उत्पाद और छोटे-छोटे बकरियां भी शामिल है। जिन पर ग्रामीणों की अर्थव्यवस्था बहुत हद तक निर्भर करती है। ग्रामीण हर मंगलवार को अपने मुर्गा-मुर्गी बत्तख और उनके अंडे बेचकर आमदनी बढ़ा रहे हैं। ग्रामीण बकरियों को लेकर बेचने के लिए मंगला हाट आते हैं। इसका उन्हें अच्छा पैसा भी मिल जाता है। विक्रेताओं के लिए मंगला हाट में एक बड़ा सा मैदान है। यहां पर सभी एकत्र होते हैं और क्रेता और विक्रेता अपने आपस ही सामंजस्य के आधार पर इसकी खरीद-बिक्री करते हैं। देखने में तो यह एक ग्रामीण परिवेश की तरह प्रतीत होता है।

झुग्गी बस्ती के निवासियों को सरकारी योजनाओं में शामिल करने की मांग

PHOTON NEWS ROURKELA : शहर के झुग्गियों के निवासियों और स्वयं सहायता समूहों को राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। राउरकेला महानगर क्षेत्र में रहने वाले झुग्गीवासियों को सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इस्पात नगरी में रहने वाले झुग्गीवासियों को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

इस्पात शहरी क्षेत्र और दक्षिण राउरकेला में गठित महिला स्वयं सहायता समूहों को मुक्ता योजना में शामिल करने का अनुरोध सरकार से किया गया है। शहरी मलिन बस्तियों में रहने वाले निवासियों को प्रधानमंत्री आवास योजना में शामिल करने की मांग के साथ जागा मिशन योजना में शामिल करने का अनुरोध किया गया है। मंगलवार को प्रशांत सेठी के नेतृत्व में महिलाओं ने एडीएम कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन कियाष मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौपा।

प्रशांत सेठी के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपने जात महिलाएं। ● फोटोन न्यूज

डंडे से पीटकर घायल करने के आरोपी को 10 साल की सजा, 20,000 रुपये जुमार्ना

PHOTON NEWS CHAIBASA : डंडे से पीटकर घायल कर देने के आरोपी आनन्दपुर थाना क्षेत्र के बोडेता गांव के टोला बागझुला निवासी मनोज कुमार सिंह उर्फ महावीर सिंह को प्रथम जिला एवं सत्र न्यायाधीश के न्यायालय में दोषी करार देते हुए 10 साल की सजा सुनाई गई है। साथ ही 20,000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया है। आरोपी मनोज कुमार सिंह के विरूद्ध हेंडराउली टोंगरी टोली निवासी अशोक नाग ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। दर्ज प्राथमिकी में बताया गया है कि 23 फरवरी 2022 को करीब 12:30 बजे ग्राम बोडेता, बागझूला टोली में गुडिया सिंह के ठेला स्थित दुकान में अपने दोस्तो के साथ बातचीत कर रहे थे।

वहीं मनोज कुमार सिंह उर्फ महावीर सिंह आये और अचानक लकड़ी के डंडा से सिर के पीछे वार कर दिया। जिससे अशोक नाग घायल हो गया। इसके बाद ईलाज के लिए उसे मनोहरपुर स्वस्थ्य केन्द्र ले जाया गया। अनुसंधान के क्रम में पुलिस ने अभियुक्त मनोज कुमार सिंह उर्फ महावीर सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इसके बाद सभी साक्ष्यों को वैज्ञानिक तरीके से संग्रह करते हुए न्यायालय में आरोप पत्र समर्पित किया। जिसके आधार पर अभियुक्त मनोज कुमार सिंह उर्फ महावीर सिंह को 10 साल की कारावास तथा 20,000 रुपए जुमार्ना की सजा दी गई है।

आरोपी महावीर सिंह की फाईल फोटो।

राउरकेला इस्पात संयंत्र मेकेनिकल शॉप के कर्मचारियों के प्रयास से लागत बचत हासिल

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के मेकेनिकल शॉप विभाग ने पूरी तरह से घरेलू संसाधनों का उपयोग करके नई प्लेट मिल के लिए दो 25 टन स्लैब उठाने वाले संड़सियों की मरम्मत करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस प्रयास से न केवल उपकरण की उपलब्धता बढ़ी, बल्कि कंपनी की लागत में 8 लाख रुपये की बचत भी हुई।

मालूम हो कि स्लैब उठाने वाले चिमटे न्यू प्लेट मिल की सुचारू उत्पादन प्रक्रिया में जरूरी घटक हैं। जब मौजूदा 25 टन स्लैब उठाने वाले चिमटों के टूटने के कारण तत्काल मरम्मत की आवश्यकता हुई, तो मेकानिकल शॉप ने इस कार्य के लिए आगे कदम बढ़ाया। बाहर से नए चिमटे खरीदने में समय लगता और महंगा होता, इसलिए मेकानिकल शॉप टीम ने इस मामले को अपने हाथों लिया।

सावधानी पूर्वक दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए कर्मचारियों ने चिमटों के क्षतिग्रस्त पुर्जों को हटा कर आवश्यक आयामों को सटीक रूप से मापा। उन्होंने इनहाउस उपलब्ध बचे हुए कट पीस बार राउंड से सभी क्षतिग्रस्त पुर्जों को विकसित करने के लिए सीएनसी लेथ मशीनों और यूनिवर्सल ड्रिलिंग मशीनों सहित अत्याधुनिक उपकरणों का कुशलतापूर्वक उपयोग किया। इस सरल रणनीति ने इनपुट लागत को काफी कम कर दिया, जिससे विकास व्यय लगभग नगण्य हो गया।

राउरकेला इस्पात संयंत्र मेकेनिकल शॉप के कर्मचारी। ● फोटोन न्यूज

VIDEO CONFERENCING के माध्यम से उपायुक्त ने की संचालित योजनाओं की समीक्षा

प्रत्येक दिन 5 से अधिक योजनाओं की क्रियान्वयन व प्रति पंचायत मानव दिवस सृजन को बढ़ाने का निर्देश

PHOTON NEWS CHAIBASA : उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न विभाग से संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई। इसमें ग्रामीण विकास विभाग, आपूर्ति विभाग, कल्याण विभाग, राजस्व विभाग सहित सर्वजन पेंशन, स्वच्छ भारत मिशन, भारत नेट कनेक्टिविटी, योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक ग्रामसभा बैठक सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में सर्वप्रथम मनरेगा अंतर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा दौरान सभी पंचायतों में प्रत्येक दिन 5 से अधिक योजनाओं की क्रियान्वयन तथा प्रति पंचायत मानव दिवस सृजन को बढ़ाने का निर्देश दिया गया। साथ ही इस दौरान बिरसा हरित ग्राम योजना वित्तीय वर्ष-2023/24 फेज-2 अंतर्गत संचालित कार्यों के प्रगति प्रतिवेदन का भी जायजा लिया गया। इस दौरान डीएमएफटी मद से होने वाले आंगनवाड़ी निर्माण ग्राम सभा से पारित दस्तावेज को कार्यालय में उपलब्ध करवाने का निर्देश भी दिया गया।

समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने कल्याण विभाग अंतर्गत सरना, मसना, जाहेर स्थल/देव स्थल घेराबंदी तथा आदिवासी संस्कृति एवं कला केंद्र, माँझी भवन, धुमकड़िया भवन, मांझीथान रोड निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित कर आवेदन प्राप्त करने तथा साइकिल वितरण के संदर्भ में आवश्यक जाति प्रमाण का निर्गमन सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया। बैठक में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग अंतर्गत ओडीएफ प्लस डिक्लेयर्ड गांव की सूची में एस्पायरिंग, राइजिंग एवं मॉडल विलेज कैटेगरी तहत अधिक से अधिक गांव के चयन का कार्य को पूरा करने, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन के निमित्त गांव में बांस स्ट्रक्चर तथा पंचायत स्तर पर शेड निर्माण कार्य को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में शामिल लोग । ● फोटोन न्यूज

रायबोगा थाने का चालक गुरु नारायण मुंडा को ब्लैक बेल्ट

PHOTON NEWS ROURKELA : सुंदरगढ़ जिले के रायबोगा पुलिस स्टेशन में पुलिस वाहन चालक मार्शल आर्ट चैंपियन बन गया है। गुरु नारायण मुंडा को भारतीय ताइक्वांडो संघ कार्यालय, राउरकेला सिविल टाउनशिप में ताइक्वांडो में ब्लैक बेल्ट दिया। गुरु नारायण मुंडा को ब्लैक बेल्ट कूक्योन दक्षिण कोरिया से ताइक्वांडो में ब्लैक बेल्ट और सर्टिफिकेट दिया गया।

सुंदरगढ़ जिले के रायबागा पुलिस स्टेशन में गुरु मुंडा चालक है। गुरु पांच साल के थे, तब गुरु मुंडा के पिता की मृत्यु हो गई। तब गुरु की मां ने गुरु को पालन पोषण करने के लिए मजदूर के रूप में काम किया। 18 साल की उम्र में गुरु झारखंड रांची चले गए। वहां उन्होंने तीन साल तक एक रेस्टोरेंट में काम किया है। खेलों के प्रति उनका उत्साह था। उसी समय से ही वह ताइक्वांडो खेल सीखने लगे। गुरु की इच्छा है कि वे ताइक्वांडो में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल स्तर पर खेले।

गुरु नारायण मुंडा का स्वागत करते अतिथि।

दीपिका पादुकोण ने एक बार नहीं बल्कि 6 बार ठुकराया सलमान खान के साथ काम करने का ऑफर

जोड़ियां या तो स्वर्ग में बनती हैं या ऑन-स्क्रीन। लेकिन सलमान खान और दीपिका पादुकोण अभी भी कास्ट होने का इंतजार कर रहे हैं। अपने ही इंडस्ट्री में दो शक्तिशाली प्रतिभाएं और सुपरस्टार अभी भी एक साथ फिल्म में काम करने का इंतजार कर रहे हैं। हालाँकि वे एक-दूसरे के साथ काम करने के लिए कई बार अप्रोच किए गये लेकिन बात नहीं बनी। सलमान खान डीपी के फिल्मी करियर की शुरुआत करने से पहले से ही उनके साथ जोड़ी बनाने की कोशिश कर रहे थे लेकिन शायद वो सही समय नहीं था।

सलमान खान और दीपिका पादुकोण को स्क्रीन साझा करने का अवसर नहीं मिला है। कथित तौर पर दीपिका ने जय हो, सुल्तान, प्रेम रतन धन पायो और किक सहित सलमान खान की कई फिल्मों में काम करने के प्रस्ताव ठुकरा दिए हैं। दिलचस्प बात यह है कि ऐसी अफवाहें थीं कि सलमान खान ने खुद दीपिका को उनकी पहली फिल्म ऑफर की थी। कोइमोई में प्रकाशित एक लेख के अनुसार, ऐसा कहा जाता है कि अभिनेत्री ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार करने का फैसला किया और दो साल बाद शाहरुख खान की ओम शांति ओम के साथ अपनी शुरुआत की।

एक समय था जब दीपिका ने संजय लीला भंसाली की फिल्म इंशाअल्लाह के निर्माण के दौरान सलमान खान के साथ काम करने में रुचि व्यक्त की थी। तब तक वह भंसाली की प्रेरणा थीं, इसलिए उन्हें उम्मीद थी कि उन्हें फिल्म में लिया जाएगा। दुर्भाग्य से, उन्हें सूचित किया गया कि मुख्य भूमिका पहले ही आलिया भट्ट को सौंपी जा चुकी है, संभवतः कहानी के आधार में एक बुजुर्ग व्यक्ति को एक युवा लड़की से प्यार हो गया, जिससे आलिया अधिक उपयुक्त हो गईं।

इस बात की भी अटकलें लगाई जा रही थीं कि सलमान खान और दीपिका पादुकोण फिल्म टाइगर वर्सेज पठान में एक साथ आ सकते हैं। हालाँकि, ऐसा लग रहा था कि फिल्म मुख्य अभिनेत्री के लिए जगह नहीं छोड़ पाएगी, क्योंकि शाहरुख खान और सलमान खान को मुख्य अभिनेता के रूप में लिया गया था।

फिलहाल दीपिका प्रोजेक्ट के और फाइटर जैसे प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। इसके अतिरिक्त, द इंटर्न रीमेक और द्रौपदी के चरित्र पर आधारित एक फिल्म में उनकी भागीदारी के बारे में भी अफवाहें हैं। दूसरी ओर, सलमान खान टाइगर 3 और टाइगर वर्सेस पठान की तैयारी कर रहे हैं, और प्रेम की शादी और करण जौहर के साथ एक फिल्म को लेकर भी चर्चा चल रही है। हालांकि, किसी फिल्म में उनकी जोड़ी को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. प्रशंसक उत्सुकता से इस संभावना का इंतजार कर रहे हैं कि नियति सलमान खान और दीपिका पादुकोण को एक भविष्य के प्रोजेक्ट में एक साथ लाएगी, जिससे उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री देखने का उनका लंबे समय से प्रतीक्षित सपना पूरा होगा।

दीपिका ने पहली बार शेयर की बेटे की फोटो

छोटे परदे की एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने अपने बेबी की पहली तस्वीर शेयर की हैं। इसके साथ ही दीपिका ने बेबी के वन मंथ पूरे होने पर उसे मिले तोहफों की झलक भी फैंस को दिखाई है। दीपिका कक्कड़ ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पहली बार बेटे की फोटो शेयर की है। तस्वीर में दीपिका अपने बेबी और पति शोएब के साथ नजर आ रही हैं। शोएब अपनी गोद में बेटे को लिए नजर आ रहे हैं और दीपिका ने लाडले का हाथ थामा हुआ है। फोटो शेयर कर दीपिका ने कैप्शन में लिखा- रुहान। अपनी दुआओं में उसे रखने के लिए आपका शुक्रिया। वहीं, फैमिली ने भी दीपिका-इब्राहिम के लाडले को सरप्राइज दिया। केक कटिंग से लेकर उन्होंने कई सारे तोहफे दिए। व्लॉग में शोएब इब्राहिम ने बताया कि सबा इब्राहिम मौदहा से अपने भतीजे के लिए कुछ तोहफे लेकर आई हैं। व्लॉग में वह उन तोहफो की अनबॉक्सिंग भी करते दिखाई दिए। इसमें बच्चे के ढेर सारे कपड़े और हाथ में पहनने वाले काले मोती के ब्रेसलेट थे। बता दें कि एक महीने पहले पति शोएब संग अपने पहले बच्चे का स्वागत किया था। 21 जून को एक्ट्रेस ने एक प्यारे से बेटे को जन्म दिया था, जिसका नाम उन्होंने रुहान रखा है।

रकुल प्रीत सिंह ने बढ़ाई दुबई की गर्मी!

रकुल प्रीत सिंह दुबई में अपनी छुट्टियों के साथ फुल एंजोय कर रही हैं। अपने हॉलीडे की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करके रकुल प्रीत सिंह इंटरनेट का पारा भी बढ़ा रही हैं। अभिनेत्री की इस साल दो फिल्में रिलीज़ हुईं, तेजस विजय देउस्कर की छत्रीवाली और निखिल महाजन की आई लव यू। अब इसके बाद रकुल ने खुद को काम से ब्रेक दिया और हॉलीडे पर निकल गयी। उन्होंने दुबई के समुद्र तटों पर अपने बालों को खुला कर ललहराते हुए तस्वीरें पोस्ट की है। रकुल अपने बोल्ट स्टाइल के लिए जानी जाती है उन्होंने अपने सेक्सी लुक में तस्वीरें शेयर की है। सटीक रूप से कहें तो, उनकी दुबई डायरियां मौज-मस्ती और फैशन के बारे में लगती हैं।

23 जुलाई को, रकुल प्रीत सिंह ने हमें इंस्टाग्राम पर अपने हॉलिडे सेशन की कुछ झलकियाँ दिखाईं, जिसमें कुछ प्रमुख फैशन इंस्पो शामिल थे। उसका कैप्शन था 卐सूरज और रेत卐। डॉक्टर जी की अभिनेत्री ने लगी हरे रंग की बिकनी सेट पहना हुआ था।, जिसे उन्होंने नींबू-हरे रंग की ओवरसाइज्ड शर्ट के साथ जोड़ा था।

उसके बालों का ऊपरी जूड़ा बना हुआ था और काले रंग का धूप का चश्मा लगा रखा था। अभिनेत्री को समुद्र तट पर सनलाउंजर पर आराम करते हुए, अपने सुडौल पैरों को दिखाते हुए, चेहरे पर एक चमकती मुस्कान के साथ कैद किया गया था। रकुल ने उथले पानी में अपने पैर डुबोते हुए शहर के परिदृश्य के सामने पोज़ दिया और अपने समुद्र तट के दिन का पूरा आनंद लिया।

ड्रीम गर्ल 2 से सामने आया आयुष्मान खुराना उर्फ़ पूजा का कातिलाना लुक

फाइनली पूजा हाजिर है! हम बात कर रहें है बहुप्रतीक्षित ब्लॉकबस्टर सीक्वल ड्रीमगर्ल 2 से आयुष्मान खुराना के किरदार पूजा की जिसने पिछले कुछ समय से लोगों का सुख, चैन सब छीन लिया था। यहां तक कि इंडस्ट्री के बड़े बड़े सुपरस्टार्स के बीच भी पूजा के दीदार करने की चाहत हिलोरे मार रही थी। पर अब सबकी चहेती पूजा के मुखड़े से पर्दा उठा दिया गया है।

फिल्म के लीड एक्टर आयुष्मान ने खुद पूजा के रुप की एक झलक दुनिया के सामने पेश की है। इसी के साथ उन्होंने फैन्स को डबल ट्रीट भी दी जिसने उनके दिलों में फिल्म के बेकरारी और बढ़ा दी हैं। दरअसल एक्टर ने न सिर्फ फिल्म से अपने किरदार पूजा को सभी से रूबरू कराया बल्कि उन्होंने करम को भी सभी से इंट्रोड्यूस करा दिया है। फिल्म के इस माइंड ब्लोइंग पोस्टर पर आयुष्मान का पूजा में बदलना किसी जादू से कम नहीं है। इन विपरीत किरदारों के बीच उनके सहज परिवर्तन ने हमें हैरानी में डाल दिया है। अब हर कोई उनके दोहरे डायनेमो प्रदर्शन के बारे में बात कर रहा है जो देश में धूम मचाने के लिए तैयार है। प्रतिभाशाली आयुष्मान को इतनी सुंदरता और भव्यता के साथ पूजा का किरदार निभाते देखना एक रोमांचकारी अनुभव है!

फिल्म का ये पोस्टर सभी की उम्मीदों पर खरा उतरा है। ऐसे में अब हर गुजरते दिन के साथ फिल्म को लेकर हर उम्र के दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ती जा रही है। सोशल मीडिया ड्रीम गर्ल 2 के बारे में चर्चाओं से भरा हुआ है जो प्यार, हंसी और नॉन-स्टॉप एंटरटेनमेंट का एक जबरदस्त मेल है। बता दें, बॉक्स ऑफिस पर ड्रीम गर्ल की जबरदस्त सफलता और इसके भरपूर मनोरंजन ने दर्शकों को खुश कर दिया था। आयुष्मान द्वारा एक लड़की की आवाज का निकालना एक प्रमुख आकर्षण था, जिसने सभी को प्रभावित किया। अब, सीक्वल में, 'पूजा' के रूप में आयुष्मान का परिवर्तन मनोरंजन को और भी अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने का वादा करता है, जो सभी को दीवाना कर देता है।

यह आकर्षक फिल्म पोस्टर तो सिर्फ एक झलक भर है, इंतजार का असली मजा तो ट्रेलर रिलीज के साथ शुरू होगा। राज शांडिल्य द्वारा निर्देशित यह फिल्म हंसाने का वादा करती है। एकता आर. कपूर और शोभा कपूर द्वारा निर्मित इस फिल्म की मजेदार राइड के लिए कैलेंडर में अपनी डेट्स मार्क कर लीजिए और तैयार रहिए पूजा से मिलने के लिए। ये बहुप्रतीक्षित सीक्वल 25 अगस्त, 2023 को बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है।

अभिषेक-अविनाश में देखने को मिली तगडी लडाई

रियलिटी शो 'बिग बॉस ओटीटी-2' के लेटेस्ट एपिसोड में अविनाश सचदेव और अभिषेक मल्हान के बीच तगड़ी लड़ाई देखने को मिली है। इस हफ्ते की कैप्टेंसी के लिए बिग बॉस ने 5 दावेदारों- अविनाश सचदेव, फलक नाज़, जाद हदीद, पूजा भट्ट और बेबिका धुर्वे के लिए एक नए टास्क की घोषणा की। पांचों को बीबी साइन पर मिट्टी डालने के लिए कहा गया और बाकी कंटेस्टेंट्स को बीबी साइन से मिट्टी हटाने को काम निर्देश दिया गया। वहीं, अभिषेक मल्हान को इस का टास्क का संचालक बनाया गया। आशिका भाटिया शुरू से ही अविनाश के टास्क को खराब करने में ही लगी रहीं। इस दौरान दोनों एक-दूसरे को खूब भला बुरा कहा। अविनाश सचदेव और आशिका भाटिया एक-दूसरे पूरा टाइम गधा-बैल कहते रहे।

इस बीच आशिका संचालक अभिषेक मल्हान से शिकायत करती है कि अविनाश जानबूझ कर उन्हें धक्का दे रहे हैं और उनके हाथ पर मिट्टी फेंक मार रहे हैं। वह, पूजा भट्ट से भी शिकायत करती हैं। अभिषेक मल्हान तीसरे राउंड में आशिका भाटिया के समर्थन किया। अभिषेक अविनाश को 卐लड़कियों से लड़ने वाली बकरी卐 और उन्हें अपनी लिमिट में रहने के लिए कहते हैं। दोनों एक-दूसरे को साला-बेवकूफ और बाहर मिलकर लड़ने की धमकी देते हैं। मनीषा अभिषेक को कंट्रोल करने के लिए कहती है क्योंकि वह 'संचालक' है। आखिरी में दोनों एक दूसरे को 'नल्ला' कह कर पुकारते हैं। वे एक-दूसरे को गालियां देते हैं।

जाद हदीद के मिट्टी अभिषेक मल्हान, मनीषा रानी, आशिका भाटिया, एल्विश यादव हटाते हैं, जबकि पूजा भट्ट की मिट्टी जिया शंकर, फलक नाज, बेबिका धुर्वे और अविनाश सचदेव हटाते हैं। लेकिन टास्क में पूजा भट्ट की जीत होती है और वह इस हफ्त के लिए कप्तान बनीं हैं।टास्क समाप्त हो जाने के बाद, अभिषेक अविनाश के पास लड़ाई को सुलझाने और चर्चा करने के लिए जाता है, लेकिन अविनाश सुनने के मूड में नहीं है। वहीं, कैप्टेंसी टास्क के फाइनल राउंड में पूजा भट्ट और जाद हदीद के बीच मुकाबला होता है। यहां घरवालों के बीच क्लियर गुट बनते दिखाई देते हैं।

इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में सम्मानित होंगे कार्तिक

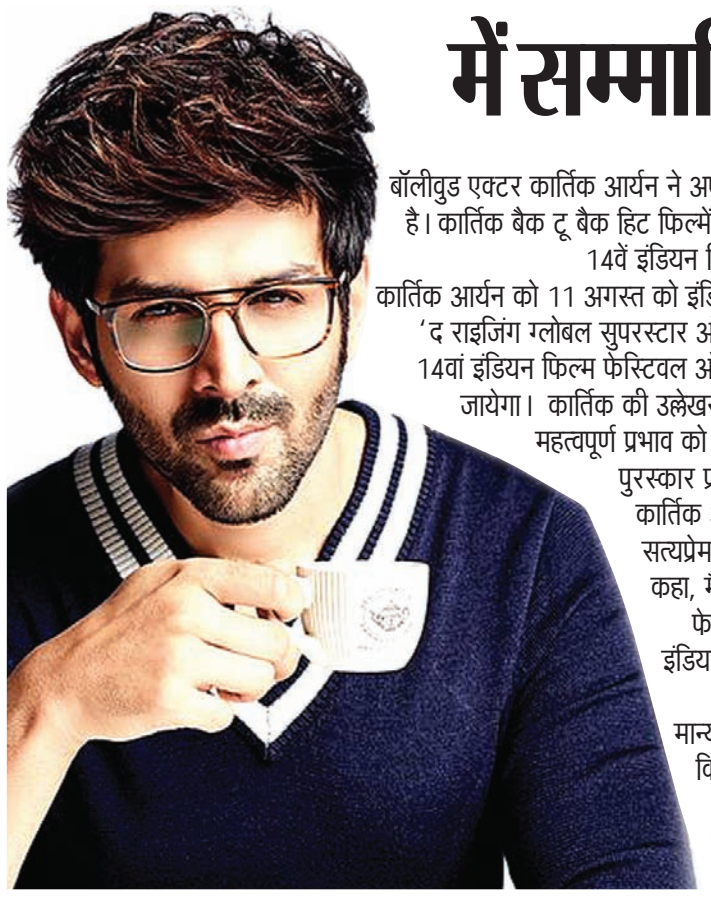

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन ने अपनी दमदार एक्टिंग से इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाई है। कार्तिक बैक टू बैक हिट फिल्में बॉक्स ऑफिस पर दे रहे हैं। वहीं अब कार्तिक आर्यन को 14वें इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में सम्मानित किया जायेगा। कार्तिक आर्यन को 11 अगस्त को इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में भारतीय सिनेमा के 'द राइजिंग ग्लोबल सुपरस्टार ऑफ इंडियन सिनेमा' पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। 14वां इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेल्बर्न 11 अगस्त से 20 अगस्त, 2023 तक मनाया जायेगा। कार्तिक की उल्लेखनीय उपलब्धियों और भारतीय सिनेमा की दुनिया पर उनके महत्वपूर्ण प्रभाव को मान्यता देते हुए, विक्टोरिया के सम्मानित गवर्नर द्वारा यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेल्बर्न कार्तिक आर्यन की फिल्मों की कई स्क्रीनिंग प्रदर्शित करेगा। इनमें सत्यप्रेम की कथा, भूल भुलैया 2 शामिल होगी। कार्तिक आर्यन ने कहा, मैं इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए विक्टोरियन सरकार और फेस्टिवल के प्रति बहुत सम्मानित और आभारी हूं और 14वें इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेल्बर्न में इसका जश्न मनाने के लिए आभारी हूं। भारतीय सिनेमा में मेरे काम के लिए यह मान्यता प्राप्त करना एक बहुत बड़ा सौभाग्य है। एक्टर ने कहा कि मैंने हमेशा कहानी कहने की शक्ति और फिल्मों से दिलों को छूने और दिमाग को प्रेरित करने की क्षमता में विश्वास किया है। मैं सिनेमा के जादू को मनाने के लिए उत्सुक हूं।